रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, सोमवार 30 दिसंबर 2024, वर्ष 10, अंक 348 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किशोर कुणाल अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने कई सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई थी।

आचार्य किशोर कुणाल का निधन

मुजफ्फरपुर के बरुराज गांव में जन्म। किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गांव से की। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से इतिहास और संस्कृत में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1972 में वह गुजरात कैडर से भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में शामिल हुए। उन्हें पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

बिहार। किशोर कुणाल एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी थे। वह अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापकों में से एक थे। सेवा निवृत्ति के बाद उन्होंने खुद को सामाजिक कार्यों में लगा दिया। वह बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष थे। साथ ही वह पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर से भी जुड़े थे। महावीर मंदिर न्यास बोर्ड, पटना में कई स्कूल और एक कैंसर अस्पताल चलाता है।

किशोर कुणाल पटना के प्रसिद्ध स्कूल ज्ञान निकेतन के संस्थापक भी थे। जब वीपी सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व हिंदू परिषद और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के बीच मध्यस्थता के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किया था।

मुजफ्फरपुर के बरुराज गांव में जन्म किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गांव से की। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से इतिहास और संस्कृत में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1972 में वह गुजरात कैडर से भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में शामिल हुए। उन्हें पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। 1978 में वह अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बने। 1983 में उन्हें पदोन्नति मिली और पटना में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया। 1990 से 1994 तक उन्होंने गृह मंत्रालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (OSD) के रूप में कार्य किया। एक आईपीएस अधिकारी के रूप में कुणाल पहले से ही धार्मिक कार्यों में शामिल थे। पुलिस से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने 2000 में केएसडी संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति का पदभार संभाला। उन्होंने 2004 तक इस पद पर कार्य किया। इसके बाद वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (BSBRT) के प्रशासक बने। उन्होंने प्रचलित जातिवादी धार्मिक प्रथाओं में सुधार लाने का काम शुरू किया। उनके निधन से समाज को बड़ी क्षति हुई है। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।पटना। पूर्व आईपीएस अधिकारी और महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष किशोर कुणाल का पटना में निधन हो गया। कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किशोर कुणाल अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने कई सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कोडरमा में ऊर्जा क्रांति की तैयारी, 'सूरज' की रोशनी से जगमगाएगा भविष्य

कोडरमा: कोडरमा जिले के तिलैया डैम में 155 मेगावाट सोलर पावर का निर्माण अगले डेढ़ वर्ष में होगा। यहां डैम में सोलर प्लांट का निर्माण कार्य एनटीपीसी और डीवीसी की ज्वाइंट वेंचर कंपनी ग्रीन वैली रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की ओर से किया जा रहा है। तिलैया डैम में इसका कार्य स्टर्लिंग विल्सन कंपनी और पंचायत डैम में एलएंडटी को दिया गया है। डीवीसी (केटीपीएस) के मुख्य अभियंता मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि 18 महीने में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। यहां उत्पादित बिजली सीधे नेशनल ग्रेड को दी जाएगी। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश काफी आगे बढ़ चुका है। **प्लांट के विस्तारीकरण के बाद 2600 मेगावाट बिजली उत्पादन** विस्तारीकरण के बाद कोडरमा डीवीसी का सबसे बड़ा और अधिक विद्युत उत्पादन करने वाला केंद्र बन जाएगा। वर्तमान में यहां 1000 मेगावाट का विद्युत उत्पादन हो रहा है। प्लांट के विस्तारीकरण के बाद यहां 2600 मेगावाट का विद्युत उत्पादन होगा। थर्मल पावर प्लांट के नए दो यूनिट का निर्माण का कार्य करीब 4 वर्षों तक चलेगा। इससे यहां करीब 4000 से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पावर प्लांट में 6 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग पावर प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में बिजली उत्पादन को बढ़ाने में बहुत मदद मिलेगी। साथ ही प्लांट में पहले से ही स्थापित सोलर पैनल से 10 मेगावाट बिजली का उत्पादन सुचारू रूप से हो रहा है। इसके अलावा बिजली उत्पादन को और गति देने के लिए तिलैया डैम में 155 मेगावाट फ्लोटिंग पावर प्लांट स्थापित करने के लिए निर्माण एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस कदम से रिन्यूएबल एनर्जी का योगदान बढ़ेगा और कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के 1600 मेगावाट एक्सटेंशन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। आने वाले समय में, यह प्लांट डीवीसी (दामोदर वैली कॉरपोरेशन) के सबसे बड़े बिजली उत्पादन केंद्रों में से एक बन जाएगा।

24 एकड़ क्षेत्र में फ्लोटिंग पावर प्लांट के लिए सोलर प्लेट प्लांट के भीतर दो पौंड में लगभग 24 एकड़ क्षेत्र में फ्लोटिंग पावर प्लांट के लिए सोलर प्लेट लगाए जा रहे हैं। कुछ समय बाद, कोडरमा में सौर ऊर्जा से 171 मेगावाट बिजली उत्पादित की जाएगी।

देर रात परिजनों का विरोध प्रदर्शन हुआ खत्मः 7 घंटे हजारीबाग में थाने के सामने पड़ा रहा शव, चतरा में आज होगा अंतिम संस्कार

हजारीबाग हजारीबाग सदर एसडीओ की पत्नी का अस्पताल में मौत के बाद परिजनों ने शव के साथ लोहसिंहना थाने के सामने जम कर प्रदर्शन किया। यहां परिजनों का प्रदर्शन देर रात 10.30 बजे तक जारी रहा। परिजनों ने शव को लगभग सात घंटे तक थाने के सामने रख आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। प्रशासनिक आश्वासन मिलने के बाद घेराव समाप्त किया गया। **चतरा में आज होगा अंतिम संस्कार** हजारीबाग सदर एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी अनीता देवी का अंतिम संस्कार चतरा जिले के सिमरिया के बेलगडा गांव में किया जाएगा। यहां सदर एसडीओ अशोक कुमार का पैतृक आवास है।प्रशासन से आश्वासन मिला कि बहुत जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। मृतक अनीता देवी के परिजन ने बताया कुछ लोग सदर एसडीओ अशोक कुमार की ओर से थाने पर आए थे। उन लोगों के साथ वार्ता के बाद सहमति बन की रविवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंतिम संस्कार में मायके पक्ष के लोग भी पहुंचेंगे।

साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश, अब तक 167 की मौतः लैंडिंग के दौरान पहिए नहीं खुले, एयरपोर्ट बाउंड्री से टकराकर ब्लास्ट

सियोल सोशल मीडिया पर प्लेन क्रैश का यह वीडियो वायरल हो रहा है। हादसा रविवार सुबह 5:37 बजे हुआ है। साउथ कोरिया में जेजू एयर का विमान मुआन एयरपोर्ट पर क्रैश हो गया। विमान में 175 पैसेंजर और 6 क्रू मेंबर समेत 181 लोग थे। 167 शव बरामद किए जा चुके हैं। रेस्क्यू टीम ने 2 लोगों को जिंदा बचा लिया गया। बाकी 12 यात्रियों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। मरने वालों में 79 पुरुष और 77 महिलाएं हैं। 11 शवों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। हादसा भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 5:37 बजे (लोकल टाइम सुबह 9:07 बजे) हुआ। बैंकॉक से आ रहा प्लेन एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था, लेकिन लैंडिंग गियर में खराबी की वजह से विमान के पहिए नहीं खुले। इमरजेंसी में विमान की बेली लैंडिंग कराई गई। इसमें प्लेन की बॉडी सीधे रनवे से टकराती है। इस दौरान विमान रनवे पर फिसलता हुआ एयरपोर्ट की बाउंड्री वाल से जा टकराया। उसमें धमाके के साथ आग लग गई।

इधर रॉयटर्स ने खबर दी है कि हादसे के पहले मुआन एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (ATC) से प्लेन से पक्षी टकराने का अलर्ट भेजा गया था। प्लेन के लैंडिंग गियर में खराबी की एक वजह यह भी हो सकती है। जेजू एयरलाइन्स की फ्लाइट 2216 बैंकॉक से आ रही थी। एयरपोर्ट फेंस से टकराकर उसमें आग लग गई। फेंस से टकराने के साथ ही

तेज धमाका हुआ और विमान की पूरी बॉडी आग से घिर गई, कुछ देर में फ्रेम जल गया। फेंस से टकराने के साथ ही तेज धमाका हुआ और विमान की पूरी बॉडी आग से घिर गई, कुछ देर में फ्रेम जल गया। रेस्क्यू एजेंसीज को आग पर काबू पाने में मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि प्लेन का फ्यूल तेजी से जल रहा था। रेस्क्यू एजेंसीज को आग पर काबू पाने में मशक्कत करनी पड़ी, कुछ देर में प्लेन का फ्यूल तेजी से जल रहा था। घटनास्थल से उठता धुएं का गुबार। आग के चलते विमान के पिछले गेट से लोगों को रेस्क्यू करने की कोशिश गई। घटनास्थल से उठता धुएं का गुबार। आग के चलते विमान के पिछले गेट से लोगों को रेस्क्यू करने की कोशिश गई।

केजरीवाल बोले- दिल्ली में भाजपा का ऑपरेशन कमल शुरूःफर्जी वोटिंग से जीतने का प्लान

नई दिल्ली AAP के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा- दिल्ली में भाजपा ने ऑपरेशन कमल शुरू कर दिया है। वे इस बार फर्जी वोटिंग के सहारे जीतने का प्लान बना रहे हैं। पिछले 15 दिनों में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में अचानक से 10 हजार वोटर्स बढ़ गए। हमने चुनाव आयोग से इसकी शिकायत भी की है। केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने अभी तक किसी भी सीट पर उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। दिल्ली भाजपा ने भी शनिवार को AAP पर वोटर्स की संख्या में हेरफेर का आरोप लगाया था। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के मतदाताओं का डेटा शेयर करते हुए दावा किया था कि लाखों अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में जोड़े गए हैं। नई दिल्ली विधानसभा में पिछले 15 दिनों में इन्होंने पांच हजार वोटर्स का नाम कटवाने की एप्लीकेशन डाली है। पहले 7500 वोटर्स (अब बढ़कर 10 हजार) नाम जुड़वाने की एप्लीकेशन भी दी है। मेरी विधानसभा में कुल वोटर्स एक लाख छह हजार हैं। इसमें से 5% वोटर्स का नाम डिलीट करवा रहे हैं। 7.5% वोटर्स के नाम जुड़वा रहे हैं। ऐसे में अब चुनाव ही क्यों करा रहे हैं। चुनाव के नाम पर इस देश में खेल हो रहा है। अगर 12% वोट इधर से उधर कर देंगे तो बचेगा क्या। अगर आंकड़ों में गड़बड़ी है तो चुनाव आयोग पर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह लग जाता है।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार की व्यवस्थाओं से कांग्रेस नाराज

नई दिल्ली पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक विवाद के बाद कांग्रेस ने अब उनके उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार में सरकार की तरफ से अव्यवस्था और अनादर देखकर हैरानी हुई। खेड़ा ने नौ पॉइंट में अंतिम संस्कार से जुड़ी आपत्तियां दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के परिवार के लिए 3 ही कुर्सियां रखी गईं। परिवार के बाकी लोगों को कुर्सियां मांगनी पड़ीं। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी पर ये आरोप भी लगाया कि जब डॉ. सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया और गन सैल्यूट दिया गया तो पीएम मोदी और मंत्री खड़े नहीं हुए। खेड़ा ने कहा कि डॉ. सिंह सम्मान और गरिमा के हकदार थे। इस अव्यवस्था से ये साफ होता है कि एक महान नेता के प्रति केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों में कितनी कमी है। इससे पहले राहुल गांधी ने शनिवार को कहा

समाचार एजेंसी को अनुमति नहीं दी गई; डीडी ने मोदी और शाह पर ध्यान केंद्रित किया, डॉ. सिंह के परिवार को बहुत कम दिखाया। 2. डॉ. सिंह के परिवार के लिए कुर्सी नहीं: डॉ. सिंह के परिवार के लिए केवल 3 कुर्सियां सामने की लाइन में रखी गईं। वहां मौजूद दूसरे कांग्रेसी नेताओं ने डॉ. सिंह की बेटियों और उनके परिवार के अन्य लोगों के लिए सीटों की व्यवस्था की। निगमबोध घाट पर डॉ. सिंह की पत्नी और उनकी 2 बेटियां सोनिया गांधी के बगल में बैठी थीं। डॉ. सिंह का बाकी परिवार पीछे खड़ा हुआ था। निगमबोध घाट पर डॉ. सिंह की पत्नी और उनकी 2 बेटियां सोनिया गांधी के बगल में बैठी थीं। डॉ. सिंह का बाकी परिवार पीछे खड़ा हुआ था। 3. गार्ड ऑफ ऑनर में मोदी खड़े नहीं हुए: जब डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया और जब डॉ. सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तब प्रधानमंत्री मोदी और बाकी मंत्रियों ने खड़े होना भी ठीक नहीं समझा। वे सभी बैठे रहे। दूरदर्शन की फीड में तिरंगा फोल्ड करते समय मोदी और अमित शाह बैठे हुए दिखाई दिए। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने गार्ड ऑफ ऑनर का वीडियो शेयर किया है। इसमें शाह और राजनाथ सिंह खड़े हुए थे। गार्ड ऑफ ऑनर के समय मोदी की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। दूरदर्शन की फीड में तिरंगा फोल्ड करते समय मोदी और अमित शाह बैठे हुए दिखाई दिए। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने गार्ड ऑफ ऑनर का वीडियो शेयर किया है। इसमें शाह और राजनाथ सिंह खड़े हुए थे। गार्ड ऑफ ऑनर के समय मोदी की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है।

28 महीने बाद पीएमएलए कोर्ट से पूजा सिंघल को मिली जमानत

रांची: आईएएस पूजासिंघलकानिलंबनवापसलेनेकीतैयारी, फाइलकमेटीकेपास 28 महीने बाद पीएमएलए कोर्ट से पूजा सिंघल को मिली जमानत कार्मिक विभाग ने संबंधित फाइल कमेटी को भेज दी है। यह कमेटी मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में गठित है। कमेटी पूरे मामले की समीक्षा करेगी। अगर कमेटी पूजा सिंघल के निलंबन को वापस लेने की सिफारिश करती है, तो इसे मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा।

हरमू में मिला गुम हुआ आईफोन, मालिक की तलाश में जुटी पुलिस

रांची : रांची के हरमू इलाके में आईफोन गिरा हुआ मिला है। जिस व्यक्ति को ये फोन मिला है उसने इसे कोतवाली थाना में जमा कर दिया है। पुलिस ने कहा है कि फोन जिस व्यक्ति का है, वो जरूरी दस्तावेज के साथ कोतवाली थाना से संपर्क कर इसके वापस ले सकते हैं।

मिथिला पेंटिंग सीखने मधुबनी पहुंची इटली की अल्फांसो इनरिका : बोली-पारंपरिक कला ने किया प्रभावित

कलाकारों की स्थिति पर भी करेंगी शोध

मधुबनी *मधुबनी की विश्व प्रसिद्ध पेंटिंग के आकर्षण ने इटली की 33 वर्षीय रिसर्च स्कॉलर अल्फांसो इनरिका को भारत खींच लाया है। बचपन से पेंटिंग में रुचि रखने वाली अल्फांसो, मधुबनी की पारंपरिक कला और उसकी सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझने के लिए यहां दो सप्ताह का प्रवास कर रही हैं। वे मिथिला पेंटिंग इंस्टीट्यूट की प्रशिक्षिका डॉक्टर रानी झा के मार्गदर्शन में पेंटिंग की बारीकियां सीख रही हैं।*

कला से प्रभावित होकर पहुंची मधुबनी *अल्फांसो ने मधुबनी पेंटिंग के प्रति अपने आकर्षण को व्यक्त करते हुए कहा कि इस कला ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि यहां के कलाकार न केवल पारंपरिक कला को जीवंत बनाए हुए हैं, बल्कि इससे आत्मनिर्भर भी हो रहे हैं। उन्होंने भारत के अन्य राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा की कलाओं का भी अध्ययन किया है। लेकिन मधुबनी पेंटिंग उन्हें सबसे अनोखी और जीवंत लगी। मधुबनी के ग्रामीण इलाकों में जाकर अल्फांसो ने कलाकारों से बातचीत की और उनकी जीवनशैली, परंपराओं और संघर्षों को समझा। उन्होंने पद्मश्री दुलारी देवी से भी मुलाकात की और उनके घर की दीवारों पर बनी मिथिला पेंटिंग देखकर बेहद खुश हुईं। अल्फांसो का कहना है कि यहां की महिलाएं न केवल अपने*

परिवार का नाम रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी पहचान भी स्थापित कर रही हैं।

कलाकारों की स्थिति पर भी कर रही शोध *डॉ. रानी झा ने बताया कि अल्फांसो मधुबनी पेंटिंग के विभिन्न पहलुओं जैसे रंग संयोजन और तकनीकों को सीखने के साथ-साथ कलाकारों की स्थिति पर शोध भी कर रही हैं। 5 जनवरी को वे इटली लौटेंगी और वहां इस कला को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगी।*

अल्फांसो का मानना है कि मधुबनी पेंटिंग को यूरोप में ले जाकर दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने भारत की परंपरा, व्यंजन और लोगों के मिलनसार स्वभाव की भी सराहना की।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रदर्शन का 5वां दिन

रियासीजम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ बंद रविवार को 5वें दिन भी जारी है। 18 प्रदर्शनकारियों को कटरा पुलिस ने 3 दिन पहले गिरफ्तार किया था, जिनकी रिहाई की मांग के लिए 5 अन्य प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (JCCI) ने श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही है। इस बीच, डिप्टी CM सुरिंदर चौधरी ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा- रोपवे प्रोजेक्ट का फैसला गलत है। यदि कटरा के लोग रोपवे परियोजना नहीं चाहते हैं, तो श्राइन बोर्ड और एलजी को उनकी बात सुननी चाहिए और समस्याएं हल करनी चाहिए, क्योंकि इससे 40 हजार लोगों का रोजगार छिन जाएगा। दरअसल, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के मंदिर जाने के लिए कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से रोपवे का निर्माण करवा रहा है। अभी तक वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले ही मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं।

कैमरून में फंसे झारखण्ड के 47प्रवासी श्रमिकों में से 11 श्रमिक की सुरक्षित वापसी

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर कैमरून में फंसे झारखण्ड के 47 प्रवासी श्रमिकों में से 11 श्रमिकों की सुरक्षित वापसी हो गई। सभी श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया गया। बाकी बचे 36 श्रमिकों की वापसी भी सुनिश्चित की जा रही है।

यह है मामला मालूम हो कि सेंट्रल अफ्रीका के कैमरून के मेसर्स ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड में कार्यरत झारखण्ड के हजारीबाग, बोकारो एवं गिरिडीह जिला के 47 श्रमिकों के वेतन भुगतान और कंपनी द्वारा अच्छा व्यवहार नहीं किए जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को प्राप्त हुई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था।राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क कर मामले का सत्यापन किया। मामले के सत्यापन के उपरांत श्रम सचिव मुकेश कुमार एवं कमिश्नर संजीव कुमार बेसरा के निर्देशानुसार संबंधित जिलों के श्रम अधीक्षकों ने नियोजकों/नियोक्ताओं और बिचौलियों (मिडिलमैन) के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराया और फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान हुआ कंट्रोल रूम की टीम लगातार ई-मेल और फोन के माध्यम से अधिकारियों, कंपनी एवं श्रमिकों से संपर्क करते हुए श्रमिकों का कुल 39,77,743 बकाया रुपये का भुगतान कराया गया है। इसके बाद 27 दिसंबर 2024 को 47 श्रमिकों में से 11 श्रमिकों का पहला समूह कैमरून से भारत के लिए सुरक्षित वापसी कर हुई। झारखण्ड पहुँचने पर श्रम विभाग के अधिकारियों ने श्रमिकों का स्वागत बिरसा हवाई अड्डे पर किया।

किशोर कुणाल का असामयिक निधन सर्वसमाज के लिए अपूरणीय क्षति : सुबोधकांत सहाय

रांचीः पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने सेवानिवृत आइपीएस एवं बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष किशोर कुणाल के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री सहाय ने अपनी शोक संवेदना में कहा है कि स्व.कुणाल विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल में अपराध नियंत्रण के लिए जो कार्य किए, वह एक मिसाल है। धार्मिक-आध्यात्मिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाना उनकी खासियत थी। शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए। शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता। पटना स्टेशन पर अवस्थित महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव रहे। उनका असामयिक निधन समाज के सभी वर्गों के लिए अत्यंत दुखदाई है। श्री सहाय ने दिवंगत की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

झारखंड BJP ने सांसद प्रदीप वर्मा को बनाया सांगठनिक चुनाव अधिकारी

रांची : झारखंड BJP ने शनिवार को एक लिस्ट जारी की है। उस लिस्ट में सांसद प्रदीप वर्मा को सांगठनिक चुनाव अधिकारी बनाया गया है। बता दें कि झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद अब तक संगठन का विस्तार नहीं हुआ है। न ही झारखंड बीजेपी ने अबतक विधायक दल के नेता का चयन किया है। यही वजह है कि झारखंड बीजेपी ने सांगठनिक चुनाव।

रेखा बहन ने तुलसी पूजन की महिमा और महत्व के बारे में बताया

रांचीः श्री योग वेदांत सेवा समिति और युवा सेवा संघ के तत्वाधान में पूज्य संत श्री आसाराम जी बापू की कृपा पात्र साध्वी शिष्या रेखा बहन का सत्संग डोरंडा शिव मंदिर महावीर मंदिर धर्मशाला में दीप प्रज्वलित के बाद 12 बजे प्रारंभ हुआ। दीप प्रज्वलित श्री योग विधानसभा समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी और ऋषि प्रसाद के बिहार झारखंड के संचालक संदीप भाई ने किया। गुरु भाई और बहन रांची के साथ-साथ नगड़ी, खूंटी, जरियागढ़, गोमो, सिमडेगा, धनबाद,हजारीबाग आदि, जगहों से भी लोगों ने हिस्सा लिया।

साध्वी रेखा बहन ने गुरु महिमा का बखान वेदों के अनुसार किया उन्होंने कहा की गुरुदेव आज जोधपुर के जेल मंदिर में 13 वर्षों से है। पर भक्तों की श्रद्धा निष्ठा कम नहीं हुई। अलग-अलग जगह की परिक्रमा की चर्चा सभी जानते हैं जैसे पांचकोसी परिक्रमा, नर्मदा परिक्रमा, गोवर्धन की परिक्रमा आदि लेकिन आज कलयुग में जोधपुर जेल मंदिर की परिक्रमा अनूठी है। आसाराम बापू जी के साधक शिष्य भक्ति प्रतिदिन करते हैं। जोधपुर जेल गेट पर दीप आरती, पूजन वर्षों से होते आ रहे हैं। गुरु के प्रति निष्ठा ,यही भक्ति की परिभाषा है। मंत्र जप की महिमा सरल शब्दों में साध्वी रेखा बहन ने बताया ।भक्तों ने तुलसी पूजन भी की तुलसी पूजन की महिमा के बारे में उन्होंने बताया कि हर घर में तुलसी की पूजा होती है। तुलसी की पूजा से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है।

बीबीआइएफ और जेएसकेके ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

रांचीः भीम बिरसा इमेंस फाउंडेशन और जनहित संस्कृति कला केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में रांची जिला के नगड़ी प्रखंड कार्यालय अंतर्गत गरीब, असहाय और वृद्धजनों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान करीब 250 कंबलों का वितरण दोनों संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से किया गया। कला केन्द्र के निदेशक चंदन मिश्रा ने बताया कि भीम बिरसा इमेंस फाउंडेशन और जनहित संस्कृति कला केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में कड़ाके की ठंड को देखते हुए कम्बल वितरण का कार्य संपन्न किया जा रहा है।

उनका उद्देश्य समाज के अन्तिम पायदान एवं असहाय लोगों की सेवा के अनवरत कई साल से की जा रही है। वहीं भीम बिरसा इमेंस फाउंडेशन की सरिता पांडेय ने कहा कि मानव सेवा के विचारों से अभिप्रेत होकर लगातार हम उनके उत्थान की दिशा में काम करते रहे हैं और इसी प्रकार मानव सेवा के प्रति हमारी संस्था का समर्पण आगे भी जारी रहेगा। साथ ही संस्था महिला उत्थान की दिशा में काम कर रही है। महिलाओं के स्वाबलंबन हेतु एवं उनकी आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में संस्था द्वारा कई कदम उठाए गए हैं।

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने बांटे कंबल

रांचीः कड़ाके की ठंड को देखते हुए रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वाधान कंबल वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत तृतीय चरण मे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर, पुंदाग मे असहाय निर्धन एवं जरूरतमंदों को 140 कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री विनोद कुमार जैन ने कहा की सर्दी के मौसम मे गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करने से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य कार्य नहीं है। सम्मेलन द्वारा विगत कई वर्षों से जनसेवा की तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कंबल वितरण किया जा रहा है। तथा जरूरतमंदों को राहत दिलाने मे हमेशा सदैव तत्पर रहता है। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं इसकी जितनी सेवा करें कम है इनकी सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। सम्मेलन द्वारा निरंतर जन सेवा के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर

राज्य में निर्धारित बजट की राशि को पुरा खर्च नहीं करना राज्य के दलित आदिवासी मुलवासी समाज के साथ धोखा मुख्यमंत्री संज्ञान ले

राज्य में निर्धारित बजट की राशि को पुरा खर्च नही करना राज्य के दलित आदिवासी मुलवासी समाज के साथ धोखा मुख्यमंत्री संज्ञान ले उपरोक्त बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर विजय नायक ने राज्य मे निर्धारित बजट की राशि कम खर्च किये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया मे कही । इन्होने आगे कहा की निर्धारित बजट की राशि का पुरा खर्च नही किया जाना झारखंडी समाज को विकास से दुर रखने की साजिश है । नायक ने उदाहरण देते हुए बताया कि निम्नलिखित विभाग ने आधी भी राशि खर्च नही कि जब 9 माह में खर्च नहीं हुआ तो क्या गारंटी है कि 3 माह में कंडकित पूर्ण बजट की राशि खर्च कर लिया जायेगा । ये विभाग है जो अब तक कितनी राशि खर्च की है । ऊर्जा विभाग का बजट 9560 में मात्र 6994 खर्च किए गए, ग्रामीण विकास विभाग 6114 में मात्र 3054,महिला, बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा 5833 में 4911,पथ निर्माण विभाग, 3833 में 2447 स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा व परिवार कल्याण 2370 में 866,खाद्य, जनवितरण व उपभोक्ता मामले, 2203 में 378 स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता (सेकंडरी) 2069 में 1000,कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता (कृषि) 2007 में 523 शहरी विकास एवं आवास (नगर विकास)1446 में 423 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग 1426 में 237 स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता (प्राथमिक व व्यस्क) 1305 में 1137 जल संसाधन विभाग 1288 में 828 श्रम, रोजगार प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग 1014 में 756 वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन 985 में 273 पेयजल एवं स्वच्छता 766 में 130 में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा 611 में 121 भवन निर्माण 583 में 324 कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता (सहकारिता) 577 में 490 गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन 518 में 61 कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता (डेयरी) 402 में 96 उद्योग 386 में 192 योजना एवं विकास 374 में 39 उच्च एवं तकनीकी शिक्षा (तकनीकी) 350 में 62 अल्पसंख्यक कल्याण 326 में 112 कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता (पशुपालन) 301 में 62 आई और इ गवर्नेंस 300 में 9.40 जल संसाधन लघु सिंचाई 290 में 137 पंचायती राज 270 में 90 परिवहन विभाग 265 में 3.42 सूचना एवं जनसंपर्क विभाग 280 में 201 पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण (कला) 170 में 46 पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण (पर्यटन) 150 में 29 राजस्व, निबंधन एंव भू सुधार 133 में 44 शहरी विकास एवं आवास (आवास) 100 में 00 कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता (मत्स्य) 9330 में 2250 कैबिनेट सचिवालय एवं निगरानी (नगर विमानन) 80 मे 14 खनन एंव जियोलोजी 29 मे 165 वित्त विभाग 20 में 281 वाणिज्यकर 1200 में 184 कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार 295 में 0.39 उत्पाद एवं मद्य निषेध 260 में 033 खर्च किए गए है जो राज्य की जनता के लिए शुभ नही है ।

रांची पुलिस ने नशे की खरीद-बिक्री करने वालों पर की कार्रवाई, ब्राउन शुगर के साथ 2 पकड़ाए

रांची : रांची SSP को 28 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के लाह कोठी अमरूद बगान मैदान के पास अवैध नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री हो रही है। इसकी जानकारी SSP ने सिटी SP को दी। जिसके बाद कोतवाली DSP के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। मिली जानकारी के आधार पर गठित टीम ने लाह कोठी अमरूद बगान के पास छापेमारी की। ऐसे में पुलिस बल को देख कर कुछ लोग भागने लगे। इनमें से 2 लोगों को पुलिस ने पकड़ लिया।

सीएम की ओर से बाल विकास परियोजना बलियापुर ने छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरण किया गया

तिसरा। बढ़ती ठंड एवं शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से बाल विकास परियोजना बलियापुर ने रविवार को आंगनवाड़ी मुंडा थोड़ा गोल्डन पहाड़ी में 33 छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरण किया गया इस अवसर पर मुकुंदा पंचायत के मुखिया रिंकू देवी प्रतिनिधि हीरालाल गोराई, पंचायत समिति सदस्य हीरालाल मोदक की ओर से वितरित किया गया। 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चों को कार्यक्रम के अंतर्गत स्वेटर का वितरण किया गया है। आंगनबाड़ी सेविका पार्वती देवी सहायिका तेतरी देवी पोषण सखी जोशना देवी मुख्य रूप से उपस्थित थे उन लोगों ने बताया कि हम लोगों का उद्देश्य पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का सुरक्षा।

रांची गवर्नर हाउस के पास देह व्यापार के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 6 महिलाएं हिरासत में, चल रही पूछताछ

रांची : राजधानी रांची में इन दिनों देह व्यापार बड़ी तेजी से फल-फूल रहा है। पुलिस इसमें शामिल महिलाओं और कारोबारियों को गिरफ्तार कर लगातार जेल भेज रही है। रांची एसपी चंदन कुमार सिंह के आदेश पर पुलिस लगातार इन पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित राजभवन के पास छापेमारी कर पुलिस ने 6 महिलाओं को हिरासत में लिया है। सभी को देह व्यापार के आरोप में डिटेन किया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी और महिला थाना प्रभारी ने यह कार्रवाई की है।

सूचना के आधार पर छापा जानकारी के अनुसार, पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि राजभवन के पास कुछ महिलाएं खड़ी रहती है। इनके द्वारा देह व्यापार का संचालन किया जा रहा है। शनिवार को कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए को यह सूचना मिली। इसके बाद डीएसपी ने कोतवाली महिला थाना प्रभारी और कोतवाली थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया। टीम ने छापेमारी करते हुए राजभवन के पास से महिलाओं को हिरासत में ले लिया। सभी से पूछताछ की जा रही है।

भेजे जाएंगे जेल पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद देह व्यापार में शामिल महिलाओं को जेल भेज दिया जाएगा। सभी से गण पूछताछ चल रही है। गिरोह के अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। आगे छापेमारी में और गिरफ्तारी हो सकती है।

मोहराबादी मैदान में चल रहे खादी मेले में 24000 लोगों ने किया भ्रमण

रांचीः झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ,उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024 -25 के दसवें दिन लगभग 21000 टिकट बिके एवं लगभग 24000 लोगों ने महोत्सव का भ्रमण किया! महोत्सव में पूर्व निर्धारित सभी आयोजन प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रहे, परंतु महोत्सव घूमने के लिए आगंतुकों में उत्साह की कोई कमी नहीं है। आज एनसीसी के 2 झारखंड एयर विंग के कैडेट द्वारा महोत्सव का परिभ्रमण किया गया। उन्होंने बताया कि कोकून से रेशमी वस्त्र बनने लाह से चूड़ी बनने पुनी से सूती वस्त्र एवं कोकून से रेशमी वस्त्र तथा कोरा तथा रेशमी वस्त्र से परिधान बनने की जीवंत प्रदर्शनी एवं साबरमती आश्रम देखने योग्य था ल चाक पर मिट्टी का बर्तन बनाना अद्भुत अनुभव रहा। हस्तकरघा रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशालय के स्टाल में भागलपुर, असम, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश के हैंडलूम के कपड़े एवं ब्लॉक प्रिंटिंग की साड़ी, सूट, दुपट्टा ,फैब्रिक इत्यादि के स्टाल में महिलाओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। झारखंड माटी कला बोर्ड के स्टाल में मिट्टी के आकर्षण बर्तन, टेराकोटा ज्वैलरी ,टेराकोटा हैंगिंग बेल इत्यादि की बिक्री भी खूब हो रही है। महोत्सव में बुजुर्गों के लिए मेला घूमने के लिए निशुल्क ई रिक्शा की व्यवस्था की गई है ।महोत्सव परिसर में छोटे शिशुओं को स्तनपान कराने हेतु बेबी फीडिंग रूम की व्यवस्था होने से माता को बहुत सुविधा हुई है। अभिभावक श्रीमती विभा ने बताया कि बेबी फीडिंग रूम की व्यवस्था देखकर उन्हें बहुत ही अच्छा लगा। महोत्सव में आए अन्य लोगों ने भी महोत्सव की व्यवस्था को सराहा है। महोत्सव परिसर में चलंत एटीएम की भी व्यवस्था है महोत्सव में खादी एवं ग्रामोद्योगि उत्पादों के साथ-साथ अन्य सामग्रियों की बिक्री लगभग सवा दो करोड रुपए की रही है।

सरणि परे प्रभ अंतरजामी नानक ओट पकरी प्रभ सुआमी.....

रांचीः श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा द्वारा आज छठे दिन 29 दिसंबर,रविवार को प्रभात फेरी निकाली गई.प्रभात फेरी सुबह 5.45 बजे पिस्का मोड़ के आगे सरदार रंजीत सिंह चुचरा के घर से आरम्भ हुई और वहां से त्रिलोक मक्कड़,ऋषिकेश दुआ के घर,चंद्रशेखर किंगर (बिटटू) के रश्मि हाइट्स स्थित फ्लैट,लक्ष्मण मिढा के घर, बैंक कॉलोनी स्थित सरदार जोगिंदर सिंह मिढ़ा, गोल्डी जी मिढ़ा के घर होते हुए नारायण दास अरोड़ा के आवास पहुंची और शबद कीर्तन एवं अरदास के साथ वहीं प्रभात फेरी सुबह 8 बजे समाप्त हो गई.मौके पर अरोड़ा परिवार द्वारा साध संगत के लिए चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया.प्रभातफेरी के क्रम में सभी श्रद्धालुओं ने अपने अपने घरों के सामने फेरी पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धा भाव से स्वागत किया और प्रशाद वितरण किया.सुबह 8 बजे समाप्त हो गई.

फेरी में शामिल स्त्री सत्संग सभा की बबली दुआ,गीता कटारिया,शीतल मुंजाल,मंजीत कौर,नीता मिढ़ा,रेशमा गिरधर,इंदु पपनेजा,गूंज काठपाल,बबीता पपनेजा एवं जसपाल मुंजाल ने " लोचै मेरा मनु लोचै गुर दरसन ताई बिलप करे चात्रिक की निआई ..... " एवं "सरणि परे प्रभ अंतरजामी नानक ओट पकरी प्रभ सुआमी....." तथा " मिहर करे ता खसमु धिआई संता संगति नरकि न पाई..... " जैसे कई शबद गायन करते हुए कॉलोनी की गलियों में भक्ति रस घोला. सरदार छोटू सिंह ने निशान साहब उठाकर प्रभातफेरी की अगुवाई की.मनीष मिढ़ा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने वाहेगुरु से कुशल क्षेम की अरदास की. सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली जा रही प्रभात फेरी का समापन 31 दिसंबर को होगा. प्रभात फेरी में नारायण दास अरोड़ा,जोगिंदर सिंह मिढ़ा,जसवंत चूचरा,राकेश अरोड़ा,गोल्डी मिढ़ा,करण अरोड़ा,हर्ष आर्यन,अनिल मिढ़ा,अशोक गेरा,हरगोबिंद सिंह,मोहन काठपाल,सुरेश मिढ़ा,अनूप गिरधर,विनोद सुखीजा,जीवन मिढ़ा,महेंद्र अरोड़ा,बसंत काठपाल,मोहित झंडई,आशु मिढ़ा,नवीन मिढ़ा,इन्दर मिढ़ा,रौनक ग्रोवर,सूरज झंडई, आशीष दुआ,विनीत खत्री,भगवान थरेजा,जितेश बेदी,हरीश तेहरी,भरत गाबा,कुणाल चूचरा,हरविंदर सिंह,गौरव मिढ़ा,पियूष मिढ़ा,उमेश मुंजाल,कमल मुंजाल,मनीष गिरधर,अमन सचदेवा,कमल अरोड़ा, ज्ञान मादन पोत्रा,प्रवीण मुंजाल,इच्छित मिढ़ा,शिल्पा मिढ़ा,गरिमा पपनेजा,बंसी मल्होत्रा,अमर मुंजाल,बिमला मिढ़ा,मीना गिरधर, मंजीत कौर,किरण अरोड़ा,ममता थरेजा,ममता सरदाना,नीतू किंगर,खुशबू मिढ़ा,अंजू काठपाल,सुषमा गिरधर,मनोहरी काठपाल,श्वेता मुंजाल,गुड़िया तलेजा,गूंज काठपाल समेत अन्य शामिल थे.

रांची में तीन दोस्तों की भीषण सड़क हादसे में मौत, पिकनिक मनाने जा रहा था दोस्तों का ग्रुप, रास्ते में ट्रक ने मार दी टक्कर

रांची : नये साल के जश्न के पहले रांची से एक बड़े सड़क हादसे की खबर है। रांची जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गयी। एक युवक की हालत गंभीर है, सभी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद लोगों ने आक्रोश जताया है। भीड़ की वजह से जाम की स्थिति बन गयी। पुलिस ने परिजनों को सड़क हादसे की जानकारी दे दी है।

जानकारी के मुताबिक रांची-टाटा-राजमार्ग पर कांची नदी के समीप रविवार को एक ट्रक की चपेट में दो बाइक आ गयी। इससे एक बाइक पर सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दूसरी बाइक पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पांच दोस्त बाइक से जमशेदपुर से जोन्हा फॉल के लिए निकले थे। इसी बीच सड़क हादसे के शिकार हो गए। परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गयी है।

स्थानीय प्रशासन की मदद से घायल को बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा गया। बाइक सवार दोस्तों का ग्रुप जमशेदपुर से रांची के जोन्हा फॉल के लिए निकला था।

जानकारी के मुताबिक सभी पिकनिक मनाने जा रहे थे, इसी बीच तमाड़ थाना क्षेत्र की कांची नदी के समीप डायवर्सन में एक ट्रक ने दोनों मोटरसाइकिल सवारों को पीछे से टक्कर मार दी। इससे ये हादसा हुआ है। घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा. प्रशासन की मदद से एक घंटे के बाद हाईवे पर आवागमन सामान्य हुआ।

भारतीय ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म के प्रसार को संकल्पित हैं हम : संजय सेठ

रांची। गुजरात के राजकोट में प्रत्येक वर्ष आयोजित राष्ट्रकथा शिविर में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। यह शिविर 10 दिनों तक चलता है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 2 लाख से अधिक विभिन्न क्षेत्रों के विद्वान, शोधार्थी, विद्यार्थी और शिक्षक शामिल होते हैं। प्राचीन भारतीय ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की परिचर्चा के लिए आयोजित यह शिविर पिछले 25 वर्षों से आयोजित हो रहा है। इस कार्यक्रम रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ शामिल हुए और सबसे संवाद किया। संजय सेठ ने कहा कि राष्ट्र के इस महायज्ञ में शामिल होकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहा हूं। इसके आयोजक श्रद्धेय स्वामी धर्मबंधु जी के द्वारा विद्वानों के सानिध्य में आयोजित राष्ट्रकथा शिविर राष्ट्र के जागरण का बड़ा माध्यम है। जिसमें देश भर के लाखों विद्यार्थी और शिक्षक भाग लेते हैं। यह शिविर भारत के ऐतिहासिक गौरव का बोध कराने के उद्देश्य से आयोजित होता है, जहां ज्ञान-विज्ञान के साथ ही भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति पर विस्तृत परिचर्चा होती है। उन्होंने इस परिचर्चा में सबसे आह्वान किया कि भारत पुनः विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिए हम साथ मिलकर काम करें। हमें सुपर पावर, सुपर इकोनामिक पावर, सुपर न्यूक्लियर पावर नहीं बनना है; हमें विश्वगुरु बनना है, जो दुनिया को मार्गदर्शन दे। हमें अहंकार के साथ नहीं जीना है, हमें विश्व बंधुत्व के भाव से दुनिया को मार्गदर्शन देना है। भारत के प्राचीन ज्ञान और विज्ञान का प्रसार दुनिया में हो, इसके लिए हमें काम करना है। विकसित भारत के लिए काम करना है। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि इस शिविर में हर वर्ग से उमड़ा समूह भारत का प्राचीन गौरव फिर से लौटाने को कृत संकल्पित है। स्वामी धर्मबंधु जी के मार्गदर्शन में यह संकल्प पूर्ण होगा। ज्ञान, विज्ञान, आध्यात्म; हर क्षेत्र में भारत दुनिया का मार्गदर्शक बनेगा और हम सब उसके वाहक बनेंगे। शिविर में केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री बसंत बालाजी, प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सानयाल, रिटायर्ड मेजर जनरल जीडी बक्शी, केरल के विधायक सीजी राजगोपालाचारी की गरिमामय उपस्थिति रही।

डीएसओ ने चंद्रपुरा के जविप्र दुकान का किया औचक निरिक्षण, खाद्यान्न कालाबाजारी का मामला उजागर

बोकारो। बार - बार राशन कार्डधारियों से प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए रविवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) शालिनी खालखो ने चंद्रपुरा प्रखंड के घटियारी पंचायत के पिपराडीह स्थित जन वितरण प्रणाली दुकान (जविप्र) लाइसेंस संख्या 39/84 का औचक निरीक्षण किया। मौके पर बीडीओ एवं सीओ चंद्रपुरा समेत प्रखंड प्रमुख उपस्थित थे।

निरीक्षण क्रम में जविप्र डीलर मो. शमीम अहमद द्वारा आवंटन माह का मात्र 302 राशनकार्ड धारियों को ही खाद्यान्न वितरण किया गया था। जबकि, 188 कार्डधारियों का खाद्यान वितरण नहीं किया गया था। बावजूद जविप्र दुकान में मात्र 75 किलो चावल एवं 65 किलो गेंहू ही उपलब्ध था।

खाद्यान्न कहां है, इसका जवाब जविप्र डीलर के पुत्र देने में असमर्थ थे। उन्होंने बताया कि दुकान के अलावा अन्यत्र कहीं खाद्यान्न नहीं है। जबकि, तीन घंटे तक चले कार्रवाई में एक बार भी डीलर मो. शमीम अहमद दुकान पर उपस्थित नहीं हुएं।

वहीं, कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न वितरण का भी मामला उजागर हुआ। जांच क्रम में टीम ने 36 कार्डधारियों के खाद्यान्न उठाव का जांच किया। जिसमें 09 कार्डधारी ऐसे मिलें, जिन्हें खाद्यान्न वितरण निर्धारित मात्रा से कम किया गया था।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) ने राशन वितरण में कालाबाजारी को लेकर डिलर की लाइसेंस को अगले आदेश तक के लिए निलंबित करने की कार्रवाई शुरू की है।

जांच में मामला प्रकाश में आया कि 15 दिसंबर को खाद्यान्न जविप्र डीलर को उपलब्ध कराया गया है। 20 दिसंबर को डीलर द्वारा प्राप्त किया गया है एवं 23 दिसंबर से वितरण शुरू किया गया है। इस प्रक्रिया में डीलर द्वारा बेवजह विलंब किया गया है, जो गंभीर मामला बनता है। वहीं, दिसंबर माह में हुए आवंटन के विरूद्ध 1190 किलो चावल एवं 745 किलो गेहूं एवं नवंबर माह में आवंटित खाद्यान्न के विरुद्ध 984 किलो चावल एवं 658 किलो गेहूं दुकान में उपलब्ध नहीं मिला। कुल 3,577 किलो खाद्यान्न कालाबाजारी का मामला है।

डीएसओ ने मामले में जविप्र डीलर मो. शमीम अहमद के विरूद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए लाइसेंस रद्द करने एवं दूसरे जविप्र से टैग करने का अनुशंसा सीओ सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को करने का निर्देश दिया है।

उधर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय समीप प्रखंड स्तरीय गोदाम का भी निरीक्षण किया । उन्होंने खाद्यान्न उठाओं करने वाले वाहनों में लगे जीपीएस की जांच की स्टॉक पंजी का मिलान किया।

किशोर कुणाल का निधन मेरी व्यक्तिगत क्षतिः सरयू राय

रांची/जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने अपने विद्यार्थी जीवन के सखा, पूर्व आईपीएस अधिकारी और बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक न्यक्त किया है। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सरयू राय ने लिखाः पटना के श्री हनुमान मंदिर से प्रसिद्ध आचार्य किशोर कुणाल नहीं रहे। आज सुबह हृदयघात ने उन्हें हमसे छीन लिया। वे विद्यार्थी जीवन से हमारे मित्र रहे हैं। मेरे बुलाने पर वे केबुल टाऊन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में आए थे। किशोर जी का निधन मेरी व्यक्तिगत क्षति है।

श्री राय ने आगे लिखाः आचार्य किशोर कुणाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, अध्यात्म आदि क्षेत्रों में यशस्वी संस्थाओं का निर्माण किया। वह एक मिसाल बन गए थे। उन पर हमें गर्व है। ईश्वर पुण्यात्मा को सद्गति प्रदान करें। मर्माहत परिवारजनों एवं सुहृद समूह को शोक सहन करने की क्षमता दें। उनकी कृतियों को आगे बढ़ाने का आशीष दें। गौरतलब है कि श्री किशोर पटना के महावीर मन्दिर न्यास के सचिव भी थे। वह पटना के ज्ञान निकेतन नामक प्रसिद्ध विद्यालय के संस्थापक भी थे।

प्रिंस खान के गुर्गे को पुलिस ने किया गिरफ्तार, चेतन साव को मारी थी गोली

धनबाद : धनबाद पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान के एक गुर्गे अफजल को गिरफ्तार कर लिया है। अफजल पर आरोप है कि उसने चेतन साव को गोली मारी थी। पुलिस ने अफजल के पास से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

भाजपा नेता रमेश सिंह से PLFI उग्रवादी संगठन के नाम पर रंगदारी की मांग

रांची : भाजपा नेता एवं बिल्डर रमेश सिंह से पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के नाम पर रंगदारी की मांग की गई है। भाजपा नेता ने इस संबंध में सुखदेवनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने थाने में दिए आवेदन में बताया है कि शनिवार को उनके मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति ने कॉल किया। उसने खुद को पीएलएफआई संगठन से जुड़े होने की बात कही। उसने धमकी दी कि संगठन के कमांडर के अलावा सदस्यों की नजर उन पर है। वह संगठन को सहयोग करें। संगठन भी आपको सहयोग करेगा। फोन करने वाले शख्स ने सहयोग नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी तक दी। इधर, प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है।

रविवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

धनबाद। रविवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक सभा का आयोजन एफ यूनियन इंटक प्रांगण में सिंदरी नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा की गई जिसमें कांग्रेसी के अलावे महागठबंधन के साथी का भी उपस्थित हुए ।डॉ मनमोहन सिंह जी को सभी सम्मिलित लोगों ने 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि देने के बाद पुष्पांजलि कर उनके जीवनी पर संक्षिप्त रूप से अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा की सादगी, सरलता, सद्भाव उनके व्यक्तित्व को निखारने का काम किया, उनके प्रधानमंत्री काल में किए गए प्रमुख कार्य का भी वर्णन किया जिसे युगों तक याद किया जाएगा खासकर किसानों का ऋण माफ करना, आरटीआई, मनरेगा, आधार कार्ड के साथ ही अमेरिका और हिंदुस्तान का सैन्य समझौता के अलावे भी बहुत सारे किए गए कार्यो का जिक्र किया , उनके विषय में जितना कुछ भी कहा जाएगा वह कम है ठीक उसी प्रकार से की सूर्य को मोमबत्ती दिखाना। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से हिस्सा लेने वाले अध्यक्ष अजय कुमार के अलावे सर्व विदेशी सिंह ,रमेश जिंदल, सियाकांत दुबे ,सोमनाथ दुबे, जाहिद हुसैन, हरिश्चंद्र दुबे, अंग्रहित दुबे जी आर प्रभाकर पूर्णेन्दु सिंह, सुधाकर प्रसाद सिंह सत्यदेव सिंह राज बिहारी यादव, विमलेश कुमार, मो कामरान , मो मुजफर हुसैन राही, अश्वनी मंडल , चमेली देवी, सरिता देवी ,प्रकाश,सुभाष मंडल ,मुन्ना पांडे, मुन्ना यादव ,सुखदेव हाँसदा ,मंजूर हुसैन, गूडलय,राहुल कुमार, ललन ठाकुर, सिद्धार्थ भट्टाचार्य ,आनंद कुमार, अनवर अली (के अलावे महा गठबंधन के साथी) सर्वश्री सुरेश प्रसाद ,छोटन चटर्जी ,स्वामीनाथ पांडे ,कृष्ण प्रसाद महतो, सागर मंडल, गौतम प्रसाद, राजीव मुखर्जी, अमरजीत सिंह ,नवीन कुमार, गुप्ता राय क्या हाल है बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे सभी ने हर्षित मन से डॉक्टर मनमोहन सिंह जी को पुष्पांजलि कर कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

हजारीबाग की ये बातें कर देंगी हैरान, पहले यहां था 'बर्फ का पहाड़' ! दूध नदी में छिपा हैं पृथ्वी की उत्पति का राज

हजारीबाग: आपको यह जानकार आश्चर्य होगा कि झारखंड में साल पहले 'बर्फ का पहाड़' था। भूविज्ञानी डॉ. नीतीश प्रियदर्शी बताते हैं कि झारखंड के कई हिस्सों में भी हिमयुग के अवशेष अब भी मौजूद हैं। रामगढ़ से लगभग 20 किलोमीटर दूर मांडू के निकट दुधी नदी के किनारे वाले स्थान पर एक खास तरह का पत्थर पाया जाता है, जिससे हिमयुग के रहस्यों के बारे में कई जानकारी मिलती हैं। **300 मिलियन वर्ष पुराना हिमयुग के मिलते हैं कई साक्ष्य** दुधी नदी और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कई वर्षों से शोध कर रहे डॉ. नीतीश प्रियदर्शी बताते हैं यहां पर एक खास तरह का पत्थर पाया जाता है जिसको हम गोलाश्म तल (बोल्डर बेल्ट) कहते हैं। ऐसा माना गया है की गोलाश्म तल के गोलाश्म (बोल्डर) की उत्पत्ति हिमनद से हुआ है। ये करीब 300 मिलियन वर्ष पुराना साक्ष्य है। यानी आज से 300 मिलियन वर्ष पहले यहां पर हिमयुग रहा होगा। इसके बाद पृथ्वी धीरे-धीरे गर्म होने लगी और अब कोयला निर्माण का समय आ गया था। झारखंड में ऐसे कई जगह है जहां आप अरबों साल पहले के जलवायु के अवशेष देख सकते हैं। **हिमयुग के पत्थर के अवशेष में छिपे हैं कई महत्वपूर्ण साक्ष्य** जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की ओर से भी मांडू-चरही के निकट स्थित दुधी नदी के आसपास के इलाके में हिमयुग के साक्ष्य की मान्यता मिली है। अब इस इलाके को संरक्षित करने की दिशा में भी आवश्यक पहल की जा रही है। भूविज्ञानी बताते हैं कि पत्थरों का जमाव तीन तरह से होता है, पहला नदी के बहाव के साथ पत्थरों का जमात होता है, जिसका आकार छोटा होता है, दूसरा हिमनदी यानी ग्लेशियर के बहाव के कारण बड़े-बड़े पत्थर भी साथ बह जाते हैं, वहीं तीसरा हवा के साथ भी छोटे कंकड़-पत्थर साथ बहते हैं, जो मुख्यतः रेगिस्तान क्षेत्र में देखने को मिलता है। लेकिन दुधी नदी के आसपास जिस तरह के पत्थर के अवशेष मिलते हैं, उससे हिमयुग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती हैं। **दुधी नदी में छिपा हैं पृथ्वी की उत्पत्ति और विकास की कहानी** दुधी नाला में पृथ्वी की उत्पति और उसके विकास के पुराने साक्ष्य उपलब्ध हैं। इस नदी में पत्थरों पर हिमयुग के ड्रॉप स्टोन के आगे बढ़ने, पीछे हटने और स्थिर ग्लेशियरों और हिम नदी के पिघलने और जमा होने के प्रमाण मिले हैं। दुधी नदी के आसपास के क्षेत्र को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की ओर से राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया गया है। यहां शोध करने के लिए देश-विदेश से शोधार्थी आते हैं। इस क्षेत्र में भारतीय प्रायद्वीप के अंतिम महान हिम युग के प्रमाण हैं। दुधी नदी के किनारे पत्थरों पर समुद्र तरंग जनित संरचनाएं, समूह में मुखित कंकड़ सहित कई प्रमाण मिले हैं। भूविज्ञानी मानते हैं इस ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर से भी और अधिक कार्य किए जाने की जरूरत है। क्योंकि इस क्षेत्र के आसपास कई कई ईंट-भट्ठे और स्पंज फैक्ट्री संचालित हो रहे हैं, जिसका मलबा नदी में आकर मिल रहा है। **विनोबा भावे विश्वविद्यालय की पहल पर तार की फेंसिंग** भूविज्ञानियों के शोध के लिए इस क्षेत्र को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के जियोलॉजी डिपार्टमेंट और राज्य सरकार की ओर से संरक्षित करने के लिए तार की फेंसिंग की गई थी। करीब 500 मीटर के दायरे में तार के बाड़ लगाए थे, जो अब टूटने लगे हैं। भू वैज्ञानिक बताते हैं कि यह इलाका गोंडवाना लैंड का हिस्सा था। कई भूवैज्ञानिक घटनाओं के कारण यह क्षेत्र बर्फ से ढका हुआ था, लेकिन कुछ घटनाओं ने ग्लेशियर की घाटियों में गहरी दरारें पैदा कर दीं। उस समय यह इलाका अंटार्कटिका और भारत तक फैला हुआ था।

रिम्स के शिशु शल्य विभाग में एक साल में हुई 1456 सर्जरी

रांची देश भर में 29 दिसंबर को नेशनल पीडियाट्रिक सर्जरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यह है कि लोगों को इस बारे में जागरूक किया जाए कि बच्चों की सर्जरी से संबंधित अलग विशेषज्ञ चिकित्सक होते हैं। सर्जरी के लिए उन्हें शिशु शल्य चिकित्सक के पास लेकर जाना चाहिए। रिम्स पीडियाट्रिक विभाग के हेड डॉ. अभिषेक रंजन ने बताया कि रिम्स के इस विभाग में हर साल 1500 छोटे से बड़े ऑपरेशन तक किए जा रहे हैं। साल 2024 में कुल 1456 सर्जरी हुई है। इसमें सबसे छोटे तीन दिन के बच्चे से लेकर 14 साल तक के बच्चों की सर्जरी शामिल है। हर महीने औसतन करीब 150 से अधिक ऑपरेशन किए जाते हैं। इसमें बच्चों के कैंसर के ही करीब दस सफल ऑपरेशन शामिल हैं। इन सर्जरी को कराने के लिए राज्य के अलावा दूसरे राज्यों से भी मरीज पहुंचते हैं। डॉ. अभिषेक ने बताया कि कई बार अभिभावकों को पता ही नहीं होता कि शिशुओं के ऑपरेशन के लिए अलग विभाग होता है, अलग विशेषज्ञ होते हैं। ऐसे में कई बार उनको काफी परेशान होने के बाद जनरल सर्जन से होते हुए हमारे विभाग तक पहुंचते हैं। जन्म के समय होने वाली परेशानियों का तत्काल इलाज कर देने से परेशानी काफी हद तक दूर हो जाती है और बच्चे समान्य जीवन जी पाते हैं।

आंत और पेट की समस्या के सबसे अधिक परेशानी : पीडियाट्रिक सर्जरी में अमूमन वैसे बच्चे पहुंचते हैं जिनके पेट में और आंत में परेशानी होती है। डॉ. अभिषेक ने बताया कि मलाशय का रास्ता तैयार नहीं हो पाता है, उनकी सर्जरी की जाती है। आंत खुलने, आंत छाती में चले जाने, पेशाब का रास्ते में परेशानी होने की समस्या के साथ बच्चे ऑपरेशन के लिए पहुंचते हैं, जिनकी सफल सर्जरी की जाती है।

अमित कुमार सिन्हा को अबकम का राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत, बधाई

रजरप्पा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा रामगढ़ कैंट निवासी एवं रामगढ़ जिला अभाकाम के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा को अबकम का राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत कर युवाओं को संगठन में शामिल कर सीधा संदेश दिया है कि चित्रांश युवाओं को मुख्य धारा में लाकर ही महासभा को एक मजबूत और व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है। रामगढ़ जिला से पहली बार राष्ट्रीय कमेटी में अमित कुमार सिन्हा को शामिल करना को जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा के लगातार कार्य साधना को पहचान बताया है। अब राष्ट्रीय स्तर पर भी जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में रामगढ़ जिला की भी चर्चा होने लगी है। जल्द ही रामगढ़ जिला की कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया जाएगा।

सिंदरी गुरुद्वारा में अनुकूल जयंती मनाया गया137वाँ जन्म महोत्सवः युग पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी

धनबाद। सिन्दरी आंचलिक सत्संग परिवार (SKSND) के तत्वावधान में परम प्रेममय युग पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 137वाँ जन्म महोत्सव दिनांक 29 दिसंबर 2024 (रविवार) को बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया यह आयोजन सिन्दरी के गुरुद्वारा परिसर में किया जा रहा है। महोत्सव को अनुकलाब्द 79 के रूप में भी जाना जाता है। श्री श्री ठाकुर जी की प्रेरणादायक वाणीः "एक की चाह करते समय दस की चाह मत कर बैठो। एक का ही जिससे चरम हो, वही करो। सब कुछ पाओगे।" श्री श्री ठाकुर जी की यह वाणी हमें एकनिष्ठता, समर्पण, और साधना की शक्ति का महत्व सिखाती है। **महोत्सव का उद्देश्यः** यह पावन महोत्सव श्रद्धालुओं को अध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ समाज में प्रेम, सेवा, और अनुशासन के महत्व को स्थापित करता है कार्यक्रम का विवरण वेद मांगलिक कार्यक्रम। प्रभात फेरी और उषा कीर्तन। समवेत विनती, प्रार्थना एवं नामजप। धर्मग्रंथों से वाणी पाठ। भजन-कीर्तन और भक्तिमूलक संगीत। धर्मसभाः विषय – "धर्म में सभी वचन व नियम का महत्व।" धर्मसभा के बाद धन्यवाद ज्ञापन। भंडारा (प्रसाद वितरण)। भक्तिमूलक संगीत। समवेत प्रार्थना एवं प्रसाद वितरण। विशेष सुविधाएँ और अनुरोध 1. महोत्सव में दीक्षा की सुव्यवस्था उपलब्ध है। इच्छुक श्रद्धालु दीक्षा ले सकते हैं। आयोजक मंडली के नाम अनीता श्रीवास्तव अंजलि रॉय अनूप कुमार घोष अरुण बाउरी अशिमा रानी सेन महोत्सव का महत्व यह महोत्सव श्री श्री ठाकुर जी के जीवन, आदर्शों, और उनके द्वारा स्थापित सत्य, प्रेम, और सेवा के संदेश को व्यापक रूप में फैलाने का अवसर है। इसमें शामिल होकर आप न केवल आध्यात्मिक आनंद प्राप्त करेंगे, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन भी करेंगे।

कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई चौकीदार पद पर नियुक्ति की परीक्षा 4517 परीक्षार्थी हुए उपस्थित

धनबाद। चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए योग्य अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा रविवार को जिले के खालसा हाई स्कूल बैंक मोड़, डीएवी हाई स्कूल दरी मोहल्ला, डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, अपग्रेडेड हाई स्कूल लोवाडीह, एसएसएनएमएस इंटर कॉलेज सिजुआ, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज धनबाद, बीएसएस महिला महाविद्यालय धनबाद, डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर, सरस्वती विद्या मंदिर भूली, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज सरायढेला एवं अभय सुंदरी गर्ल्स स्कूल धनबाद में आयोजित की गई। परीक्षा संपन्न होने के बाद एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने कहा कि सभी सेंटरों पर कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा के लिए 5080 में 4517 परीक्षार्थी उपस्थित हुए एवं 563 अनुपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सुबह 9:00 बजे से पुराने समाहरणालय स्थित ट्रेजरी से प्रश्न पत्र लेकर प्रतिनियुक्त टीम अपने-अपने सेंटर के लिए रवाना हुई और समय पर सेंटर पहुंची। परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिका लेकर सभी टीम समाहरणालय पहुंची। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों की अच्छे से जांच की गई। उनके एडमिट कार्ड के साथ उनके चेहरे का मिलान किया गया। एडमिट कार्ड एवं कलम के अलावा मोबाइल फोन सहित अन्य सभी प्रतिबंधित वस्तुओं को सेंटर से बाहर रखा गया। डेढ़ घंटे की परीक्षा सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की गई। स्टेटिक मजिस्ट्रेट, गश्ती सह उड़न दस्ता दंडाधिकारी के साथ-साथ पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस फोर्स मौजूद रहे। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी श्री राजेश कुमार के प्रभार में जिला नियंत्रण कक्ष भी कार्यरत रहा। कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में परीक्षा अवधि तक धारा-163 भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा जारी की गई थी।

नए साल के एक और दो जनवरी को फिकनिक न मनाएँ, इस विचार के साथ आदिवासी हो समाज युवा महासभा की टीम ने मझगांव के बड़ा बेलमा डैम में बैठक रखीं

चाईबासा। नए साल के एक और दो जनवरी को फिकनिक न मनाएँ, इस विचार के साथ आदिवासी हो समाज युवा महासभा की टीम ने मझगांव के बड़ा बेलमा डैम में बैठक रखीं। बैठक में बताया गया कि एक जनवरी को खरसाँवां गोलीकांड के वीर शहीदों और दो जनवरी को सेरेंगसिया घाटी के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए संकल्प लें। आदिवासी हो समाज युवा महासभा का टीम मझगाँव क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द बिरूवा और प्रखंड अध्यक्ष दिनेश हेम्ब्रम के नेतृत्व में खरसाँवां और सेरेंगसिया घाटी चलने के लिए एकमत हुए और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि को देंगे। पूरे हो समाज को उस दिन पिकनिक न मनाने के लिए अपील करेंगे। इसी तरह छह जनवरी को ओढ़िशा कलिंगानगर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय कमिटि की ओर से 12 जनवरी को उपरूम-जूमूर चाईबासा एवं 18-19 जनवरी को वार्षिक अधिवेशन घोड़ाबांधा, मझगाँव में झारखंड और ओढ़िशा के सामाजिक प्रतिनिधियों को भाग लेने के लिए अपील किया गया। इसके साथ ही आदिवासी हो समाज महासभा की ओर से घोषित तमाम "हो" समुदाय के लोगों को 12 फरवरी 2025 एवं उसके अंतराल में मगे-पर्व मनाने के लिए प्रखंड कमिटि के पदाधिकारियों को संदेश फैलाने हेतु सांगठनिक निर्देश दिया गया और मगे-पर्व के दौरान मोडिफाईड(अश्लील) मगे न करने के लिए कमिटि के पदाधिकारियों को गाँव-गाँव संदेश भेजवाने का जिम्मेवारी सौंपा गया। उसके स्थान पर सम्मानजनक रूप से मगे करने की परंपरा एवं अनुष्ठानों को अनुपालन करने की सांगठनिक दायित्व दिया गया। सभी परिवार के सदस्यों को दियुरी के द्वारा बोंगा-बुरू स्थल देशाऊली में के पास दर्शन के लिए जनसंदेश फैलाने को कहा गया।।इस अवसर पर राष्ट्रीय कमिटि, प्रदेश कमिटि, जिला कमिटि, अनुमंडल कमिटि, प्रखंड कमिटि के पदाधिकारीगण तथा पूर्व पदाधिकारीगण शामिल थे।

जिस सांप ने काटा उसे बोतल में बंद कर युवक पहुंच गया अस्पताल

चतरा : जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। जहां एक युवक को जिस सांप ने काटा उसे ही बोतल में बंद कर वह अस्पताल पहुंच गया।

चतरा सदर अस्पताल में फिलहाल युवक का इलाज चल रहा है।

मामले के बार में बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक का नाम प्रेम गंझू है। वह सब्जी बेचने के लिए चतरा गया हुआ था। लेकिन सब्जी बेच कर वापस लौटने के दौरान तेतरिया गांव के पास टमाटर की खेत में प्रेम ने एक सांप देखा और उसे पकड़ने के लिए खेत में घुस गया।

सांप को पकड़ने के दौरान प्रेम की उंगली पर सांप ने डंस लिया। लेकिन इसके बावजूद प्रेम नहीं रुका और गुस्से में सांप को पकड़ कर बोतल में बंद कर दिया।

सांप को बोतल में बंद कर वह फिर इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल सांप को लेकर ही पहुंच गया। जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक सभा का आयोजन

रविवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक सभा का आयोजन एफ यूनियन इंटक प्रांगण में सिंदरी नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा की गई जिसमें कांग्रेसी के अलावे महागठबंधन के साथी का भी उपस्थित हुए ।

डॉ मनमोहन सिंह जी को सभी सम्मिलित लोगों ने 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि देने के बाद पुष्पांजलि कर उनके जीवनी पर संक्षिप्त रूप से अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा की सादगी, सरलता, सद्भाव उनके व्यक्तित्व को निखारने का काम किया, उनके प्रधानमंत्री काल में किए गए प्रमुख कार्य का भी वर्णन किया जिसे युगों तक याद किया जाएगा खासकर किसानों का ऋण माफ करना, आरटीआई, मनरेगा, आधार कार्ड के साथ ही अमेरिका और हिंदुस्तान का सैन्य समझौता के अलावे भी बहुत सारे किए गए कार्यो का जिक्र किया , उनके विषय में जितना कुछ भी कहा जाएगा वह कम है ठीक उसी प्रकार से की सूर्य को मोमबत्ती दिखाना। सभा में प्रमुख रूप से हिस्सा लेने वाले अध्यक्ष अजय कुमार के अलावे सर्व श्री विदेशी सिंह ,रमेश जिंदल, सियाकांत दुबे ,सोमनाथ दुबे, जाहिद हुसैन, हरिश्चंद्र दुबे, अंग्रहित दुबे जी आर प्रभाकर पूर्णेन्दु सिंह, सुधाकर प्रसाद सिंह सत्यदेव सिंह राज बिहारी यादव, विमलेश कुमार, मो कामरान , मो मुजफर हुसैन राही, अश्वनी मंडल ,श्रीमती चमेली देवी, सरिता देवी ,प्रकाश,सुभाष मंडल ,मुन्ना पांडे, मुन्ना यादव ,सुखदेव हाँसदा ,मंजूर हुसैन, गूडलय,राहुल कुमार, ललन ठाकुर, सिद्धार्थ भट्टाचार्य ,आनंद कुमार, अनवर अली (के अलावे महा गठबंधन के साथी) ---------- सर्वश्री सुरेश प्रसाद ,छोटन चटर्जी ,स्वामीनाथ पांडे ,कृष्ण प्रसाद महतो, सागर मंडल, गौतम प्रसाद, राजीव मुखर्जी, अमरजीत सिंह ,नवीन कुमार, गुप्ता राय क्या हाल है बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे सभी ने हर्षित मन से डॉक्टर मनमोहन सिंह जी को पुष्पांजलि कर कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

मकर संक्रांति को लेकर मिलावटी खाद्य तेल की बिक्री ने पकड़ा जोर

आने वाले मकर संक्रांति एवं नए साल को लेकर खाद्य तेल की खपत में भारी बढ़ोतरी हो जाती है। वहीं तेल के खपत में भारी बढ़ोतरी को देखते हुए मिलावट खोर भी सक्रिय हो गए हैं। लगातार अनुमंडल में मिलावट खाद्य तेल का कारोबार जोरों पर चल रहा है एवं अभी से ही थोक विक्रेताओं के द्वारा भारी मात्रा में मिलावट का तेल स्टॉक किया जा रहा है। मिलावटी तेल के कारण लोगों का स्वास्थ्य से खिलवाड़ हो रहा है। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा, मेदिनीपुर, खड़गपुर और झाड़ग्राम से मिलावटी तेल भारी मात्रा में थोक विक्रेता द्वारा मंगवाया जा रहा है। इसे घाटशिला अनुमंडल के ग्रामीण क्षेत्र में बेच कर मुनाफा कमाया जाएगा। तेल के दामों में कमी आने के कारण मिलावट खोरी के मुनाफा भी काफी बढ़ गया है। मिलावटी खाद तेल में जानलेवा केमिकल मिलाया होता है जिससे स्वास्थ्य को भारी हानि पहुंचती है।

जिला प्रशासन के द्वारा कई दिनों से किसी प्रकार की छापेमारी या जांच पड़ताल नहीं किए जाने को लेक मिलावट खोर निश्चिंत होकर भारी मात्रा में मिलावट का तेल बेच रहे हैं। घाटशिला अनुमंडल के विशेष कर धालभूमगढ़, घाटशिला, बहरागोड़ा, चाकुलिया, मुसाबनी, गालूडीह, पोटका आदि क्षेत्र में भारी मात्रा में मिलावट का तेल बेचा जा रहा है। वहीं कई थोक व्यापारियों के द्वारा ब्रांडेड कंपनी का रैपर लगाकर नकली सरसों और रिफाइन का तेल बेचने का काम किया जाता है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसियों ने जताया शोक

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में महान अर्थशास्त्री तथा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम कि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने की । इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अपना गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत गणराज्य के 13 वें प्रधानमंत्री थे । लोकसभा 2009 चुनाव में मिली जीत के बाद वे जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिनको पांच वर्षों का कार्यकाल सफलतापूर्वक करने के बाद लगातार दुसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था । इन्हें 21 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्तमंत्री की जिम्मेवारी मिली जो उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और एतिहासिक सुधारों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी ये उनके योगदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा । उन्होंने कहा कि डॉ.मनमोहन सिंह एक शिक्षाविद, कुशल प्रशासक और विनम्र व्यक्तित्त्व के धनी थे । उनका जीवन सादगी, सेवा और समर्पण की अद्भुत मिशाल है । उनके निधन से कांग्रेस की जो क्षति हुई है जिसकी पूर्ति तत्काल संभव नही ।

विधि-व्यवस्था एवं शांति-व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी संवेदनशील स्थानों पर ''फ्लैग मार्च''

चाईबासा । पुलिस अधीक्षक, चाईबासा के निर्देशानुसार चाईबासा जिला अन्तर्गत विभिन्न थाना/ओ0पी0 क्षेत्रों में *आगामी नववर्ष के मद्देनजर उपद्रवियों से निबटने/भीड़ नियंत्रण हेतु चाईबासा पुलिस के द्वारा दंगारोधी सुरक्षा उपकरणों के साथ विधि-व्यवस्था एवं शांति-व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी संवेदनशील स्थानों पर ''फ्लैग मार्च'' किया गया तथा लोगों से शांति-व्यवस्था बनाये रखने की अपील की गयी। साथ ही जिलान्तर्गत बन रहे ब्लैक स्पॉट पर वाहन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें सेफ्टी उपकरण, हैलमेट तथा सीट बेल्ट के साथ Drink and Drive का जांच किया गया तथा लोगो से ट्रैफिक नियम पालन करने की गई अपील के साथ-साथ ड्राइवरों को संयम के साथ ड्राइविंग के लिए जागरूक करते हुए नशे में ड्राइविंग ना करने की भी की गई अपील।

महिला किसान ने धनिया की आधुनिक तरीके से खेती कर बदली आर्थिक हालात, कई को दे रही है रोजगार

कटकमसांडी कटकमसांडी प्रखण्ड के डाँड़ पंचायत क्षेत्र के गोसी गांव की महिला किसान ममता कुमारी ने आधुनिक खेती किसानी से न केवल अपने परिवार की आर्थिक हालात बदले बल्कि क्षेत्र के महिला किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। गोसी कि रहने वाली इस महिला आरम्भ में गृहिणी का कार्य करती थी।पति की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार चलाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस बीच इन्हें एलआईसी एचएफएल सीएसआर के तहत लीड्स संस्था के द्वारा संचालित लाइफ प्रोजेक्ट की जानकारी हुई। महिला किसान ने कटकमसांडी कार्यालय जाकर प्रोजेक्ट समन्वयक आलोक वर्मा से संपर्क किया और मदद की गुजारिश किया।संस्था की ओर से इस महिला किसान को आधुनिक व ऑर्गेनिक खेती का प्रशिक्षण दिया।प्रशिक्षण के बाद संस्था की ओर से तीन हजार रुपये की आर्थिक मदद किया।संस्था के कृषि विशेषज्ञों ने ममता को परम्परागत खेती के अतिरिक्त कम समय व अधिक पैसे देने वाली सब्जियों के बारे में बताया और इसकी खेती की उन्नत तकनीक के बारे में जानकारी दी। कीट नाशी के लिए जैविक निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि बनाने का प्रशिक्षण भी दिया। प्रशिक्षण के उपरान्त इन्होंने महज तीन हजार रुपये की छोटी राशि से धनिया पत्ते की खेती शुरू किया।पहले ही प्रयास में इन्होंने इस खेती से लगभग 50 हजार रुपये का आय अर्जित किया। अपने साथ कई लोगों को जोड़कर कर रोजगार भी दे रही है। इस बार वह बड़े पैमाने पर खेती कर रही है।इधर महिला किसान के इस सफल प्रयास के बाद जो पहले सिर्फ छोटे क्यारियों में अपने उपयोग के लिए धनिया लगाते थे अब इसे व्यवसायिक स्तर पर लगाकर अपने आय संवर्धन कर रहे है। इधर प्रोजेक्ट के समन्वयक आलोक वर्मा ने बताया कि धनिया पत्ता न केवल सब्जियों में उपयोगी बल्कि इसके औषधीय गुणों के कारण इसकी मांग बाजार में सदैव रहता है। इसकी खेती किसानों के लिए अधिक लाभप्रद व कम समय में ज्यादा पैसे देने वाले हैं।

इंडिगो की तरह दक्षिण कोरिया की लो कॉस्ट एयरलाइन है जेजू एयर, चीन और जापान के लिए ज्यादा उड़ानें

दक्षिण कोरिया में एक विमान रविवार सुबह एयरपोर्ट पर रनवे पर उतरने के बाद क्रैश हो गया। इसमें 181 यात्री सवार थे। इस हादसे में 60 से ज्यादा यात्रियों की मौत हो गई है। संख्या बढ़ सकती है। यह विमान दक्षिण कोरिया की प्रमुख लॉ कोस्ट एयरलाइन कंपनी जेजू एयर का था।

नई दिल्ली: दक्षिण कोरिया की जेजू एयरलाइंस का विमान रविवार सुबह दक्षिण कोरिया में एक एयरपोर्ट के रनवे पर उतरने के बाद क्रैश हो गया। यह विमान एयरपोर्ट पर लगी दीवार से जा टकराया और आग का गोला बन गया। इसमें 181 यात्री सवार थे। 60 से ज्यादा यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस हादसे में कई यात्री बुरी तरह घायल हुए हैं। जेजू एयरलाइंस दक्षिण कोरिया की लो कॉस्ट एयरलाइंस है। ठीक वैसे जैसे भारत में इंडिगो है। पिछले एक हफ्ते में यह तीसरा बड़ा प्लेन हादसा है। कुछ दिनों पहले ही कजाकिस्तान में अरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें कई यात्रियों की मौत हो गई थी। इससे पहले ब्राजील में एक छोटा विमान एक घर की चिमानी से टकरा गया था। इस हादसे में करीब 10 लोगों की मौत हो गई थी। **20 साल पुरानी है कंपनी** जेजू एयरलाइंस दक्षिण कोरिया की प्रमुख एयरलाइन है। सबसे बड़ी बात है कि यह देश की पहली लो कॉस्ट एयरलाइन है। वहीं साल 2011 तक यह देश की सबसे बड़ी लो कॉस्ट एयरलाइन भी रही। इसका नाम दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े आईलैंड जेजू के नाम पर पड़ा है। इस कंपनी की स्थापना जनवरी 2025 में एक्यूंग ग्रुप और जेजू प्रांत की सरकार के सहयोग से हुई थी। यह एयरलाइंस घरेलू उड़ानों के लिए जानी जाती है। साथ ही यह चीन, जापान, इंडोनेशिया, हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर आदि एशियाई देशों के लिए ज्यादा उड़ान भरती है। हालांकि इस लिस्ट में भारत का नाम नहीं है। यानी इस कंपनी का कोई भी विमान भारत नहीं आता है।

एलन मस्क की टेंशन बढ़ा रही है जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी की दरियादिली, दान पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली: *टेस्ला प्रमुख एलन मस्क ने मैकेंजी स्कॉट के दान पर सवाल उठाए हैं। मैकेंजी अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी हैं। मस्क ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर अपनी राय दी। इस पोस्ट में स्कॉट के दान पर सवाल उठाए। दावा किया कि स्कॉट जरूरी वैश्विक मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रहीं। उनके दान से विवादित विचारधाराओं को बढ़ावा मिल रहा है। पोस्ट में स्कॉट के 'ट्रस्ट-बेस्ड फिलैंथ्रॉपी' पर भी सवाल उठाए गए। इसके तहत वह 2,500 से ज्यादा NGOs को बिना किसी शर्त के दान देती हैं।*

मस्क ने स्कॉट के दान पर चिंता जताई है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर यह बात कही। पोस्ट में आरोप लगाया गया कि स्कॉट का ध्यान नस्लीय समानता, प्रवासी अधिकारों और LGBTQ जैसे मुद्दों पर ज्यादा है। इससे 'NGO/ non-profit कॉम्प्लेक्स' को फायदा होता है। महंगी डिग्रियों वाले लोग यहां नौकरी पा जाते हैं। पोस्ट में कहा गया कि स्कॉट ने पांच सालों में 16 अरब डॉलर का दान दिया है। अमेजन के शेयर बढ़ने से उनकी संपत्ति 36 अरब डॉलर हो गई है। जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट हाल के वर्षों में बड़ी दानवीर बनकर उभरी हैं। अपनी 'यील्ड गिविंग' पहल के जरिए उन्होंने 2019 से अब तक 19 अरब डॉलर से ज्यादा दान दिए हैं। अफ्रीका में लड़कियों की शिक्षा से लेकर अमेरिका में किफायती आवास तक कई कार्यों में उन्होंने दान दिया है। स्कॉट नए तरीके से दान देती हैं। वह संस्थाओं को बड़ी रकम बिना किसी शर्त के देती हैं। इससे संस्थाएं अपनी जरूरत के हिसाब से पैसे खर्च कर सकती हैं। 2024 में स्कॉट ने कई संस्थाओं को दोबारा दान दिया। यह उनके 'एक बार दान' वाले तरीके से अलग है। उदाहरण के लिए CAMFED को इस साल तीसरी बार दान मिला। यह संस्था अफ्रीका में लड़कियों की शिक्षा पर काम करती है। एंटरप्राइज कम्युनिटी पार्टनर्स को भी अतिरिक्त 6.5 करोड़ डॉलर मिले। उन्हें 2020 में 5 करोड़ डॉलर मिल चुके थे। ***दान देने के तरीके में कयिा है बदलाव*** *इस साल स्कॉट ने दान देने का तरीका भी बदला है। पहली बार उन्होंने खुले आवेदन की प्रक्रिया शुरू की। 6,000 से ज्यादा NGOs ने आवेदन किया। स्कॉट ने 360 से ज्यादा संस्थाओं को 64 करोड़ डॉलर देने का वादा किया। यह उनके शुरुआती वादे से कहीं ज्यादा है। दान पाने वाली संस्थाओं ने स्कॉट के बिना शर्त दान की तारीफ की है। उनका कहना है कि इससे सिर्फ उनकी संस्थाओं को ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। एलन मस्क ने स्कॉट के दान पर सवाल उठाते हुए इसे 'चिंताजनक' बताया है। उनका मानना है कि स्कॉट गलत जगहों पर पैसा लगा रही हैं।*

कम किराये में हवाई सफर कर रहे हैं आप! एयरलाइंस खुद झेल रही हैं महंगाई का बोझ, यह स्टडी पढ़कर चौंक जाएंगे

महंगाई के हिसाब से हवाई किराया काफी कम है। यह पढ़कर आप शायद चौंक सकते हैं। लेकिन एक स्टडी यही कहती है। स्टडी के मुताबिक महंगाई के मुकाबले एयरलाइंस ने टिकट किराये में बहुत ज्यादा वृद्धि नहीं की है। एक्सपर्ट कहते हैं कि जेट फ्यूल की कीमतों के हिसाब से किराया काफी कम है।

नई दिल्ली: अगर आपको लगता है कि एयरलाइंस कंपनियों ने हवाई टिकट महंगी कर दी है तो आप गलत हो सकते हैं। हां, त्योहारी सीजन और इयर एंड की छुट्टियों के कारण हवाई किराये बढ़े जरूर हैं लेकिन एक स्टडी कुछ और ही कहती है।

ग्लोबल स्टडी बताती है कि जिस हिसाब से जेट फ्यूल और महंगाई बढ़ी है, उसकी तुलना में किराये उतनी तेजी से नहीं बढ़े हैं। इस स्टडी में 2015 से लेकर अगस्त 2024 तक के हवाई किराया और महंगाई की तुलना की गई। स्टडी बताती है कि समय के साथ बढ़ती लागत के बोझ का बड़ा हिस्सा यात्रियों पर डालने के बजाय एयरलाइंस ने खुद झेला है।

प्लेन हादसा: इंडिगो की तरह दक्षिण कोरिया की लो कॉस्ट एयरलाइन है जेजू एयर, चीन और जापान के लिए ज्यादा उड़ानें

क्या है एयरफेयर का ट्रेंड? साल 2020 से पहले दुनियाभर में हवाई किराये में कमी आ रही थी। तभी कोरोना महामारी आ गई। इस दौरान किराये में बड़ी गिरावट आई। महामारी के बाद जब हालात सुधरे तो हवाई किराये में तेजी से बढ़ोतरी हुई।

क्या होता है Nominal हवाई किराया? यहां Nominal हवाई किराये से मतलब होता है महंगाई या अन्य कारणों को ध्यान में रखे बिना किराया। इसमें CPI (उपभोक्ता महंगाई) घटा दें तो वास्तविक हवाई किराये में हुई बढ़ोतरी मिलेगी।

स्टडी के मुताबिक हवाई किराया महंगाई के हिसाब से धीमी गति से बढ़ा है। स्टडी बताती है कि हवाई किराये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) और जेट फ्यूल की कीमतों की तुलना में धीमी गति से बढ़े। **कितना आया फेयर में बदलाव?** भारत में Nominal फेयर में बदलाव पिछले कुछ वर्षों में काफी बदलाव आया है। साल 2015 से 2024 तक जहां इसमें 12% की गिरावट रही तो वहीं गिरावट साल 2019 से 2024 के बीच इसमें 13% की तेजी आई। आत अगर रियल एयरफेयर की करें तो इसमें भी बदलाव आया है। साल 2015 से 2024 के बीच इसमें 43% की तेजी आई। वहीं साल 2019 से 2024 के बीच में इसमें 15% की गिरावट देखी गई। **क्या कहते हैं जानकार?** जानकारों के मुताबिक महंगाई के हिसाब से फ्लाइट की कीमत कम हुई है। एक्सपर्ट के मुताबिक सिर्फ टिकट के दाम देखें तो ये 2019 की तुलना में बढ़े हैं। लेकिन जब हम इसे महंगाई, जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़त के हिसाब से देखते हैं तो असल में बढ़ोतरी ज्यादा नहीं है। मतलब महंगाई को ध्यान में रखें तो हवाई टिकटों के दाम कम हुए हैं।

नए साल का जश्न और शराब... कहां सबसे ज्यादा पीते हैं लोग, ये हैं टॉप 10 देश, क्या लिस्ट में भारत भी?

नए साल पर दुनियाभर में लोग जश्न मनाते हैं। इस दौरान बड़ी मात्रा में शराब की खपत होती है। हर देश में शराब पीने का तरीका अलग होता है। कहीं ज्यादा पी जाती है, कहीं कम। संस्कृति, धर्म, परंपरा और देश के पैसे का असर शराब पीने पर पड़ता है। अगर देश अमीर है तो लोग शराब पर ज्यादा पैसा खर्च कर सकते हैं। आइए, यहां उन देशों के बारे में जानते हैं जहां शराब की प्रति व्यक्ति खपत सबसे ज्यादा है।

नई दिल्ली: नया साल आते ही दुनियाभर में लोग जश्न मनाने की तैयारी करते हैं। इस जश्न में शराब भी खूब चलती है। दुनिया के अलग-अलग देशों में शराब की खपत के अलग-अलग पैटर्न देखने को मिलते हैं। कुछ देशों में शराब की खपत अधिक होती है, जबकि कुछ में कम। शराब की खपत सांस्कृतिक मान्यताओं, धार्मिक विश्वासों और सामाजिक परंपराओं से काफी प्रभावित होती है। देश की आर्थिक स्थिति भी शराब की खपत पर असर डालती है। आमतौर पर अधिक विकसित देशों में शराब की खपत ज्यादा होती है। आइए, यहां दुनियाभर में शराब की खपत के आंकड़ों और चलन पर नजर डालते हैं। साथ ही यह भी जानते हैं कि क्या भारत इस लिस्ट में है। लातविया दुनिया में सबसे ज्यादा शराब पीने वाला देश है। यहां हर व्यक्ति औसतन 12.9 लीटर शराब पीता है। बीयर सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। लेकिन, लातविया की एक खास शराब 'रीगा ब्लैक बालसम' काफी मशहूर है।

चेक गणराज्य में शराब पीने का लंबा इतिहास रहा है। यहां हर व्यक्ति औसतन 12.7 लीटर शराब पीता है। चेक गणराज्य दुनिया में सबसे ज्यादा बीयर पीने वाला देश है। यहां की मशहूर ब्रेवरी 'पिल्जेन्स्की प्राजड्रोज' काफी प्रसिद्ध है। लिथुआनिया में भी बीयर पीने का चलन काफी ज्यादा है। यहां हर व्यक्ति औसतन 11.9 लीटर शराब पीता है। मीड, जो शहद से बनी एक पारंपरिक शराब है, लिथुआनिया का खास पेय है।

ऑस्ट्रिया बीयर और वाइन दोनों के लिए जाना जाता है। यहां भी हर व्यक्ति औसतन 11.9 लीटर शराब पीता है। ऑस्ट्रिया की खास शराब 'जिरबेनलीकोर', जो चीड़ के शंकु से बनती है, काफी मशहूर है।

एंटीगुआ और बारबुडा रम के लिए मशहूर है। कैरिबियाई देश में हर व्यक्ति औसतन 11.8 लीटर शराब पीता है। रम पंच यहां के लोगों और पर्यटकों का पसंदीदा पेय है। एस्टोनिया में शराब पीने का चलन काफी ज्यादा है। यहां हर व्यक्ति औसतन 11.6 लीटर शराब पीता है। 'वाना टालिन', जो रम से बनी एक खास शराब है, एस्टोनिया का राष्ट्रीय पेय है।

फ्रांस दुनियाभर में अपनी वाइन के लिए जाना जाता है। यहां हर व्यक्ति औसतन 11.4 लीटर शराब पीता है। शैंपेन और बीयर भी यहां काफी लोकप्रिय हैं। बुल्गारिया अपनी 'राकिया' नाम की शराब के लिए मशहूर है। यहां हर व्यक्ति औसतन 11.1 लीटर शराब पीता है।

रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप से बाहर: ड्रेस कोर्ड के उल्लंघन पर FIDE ने नोटिस जारी किया; जुर्माना भी लगा

चेस चैंपियन कार्लसन वर्ल्ड

पूर्व विश्व चैंपियन कार्लसन को जींस पहनने पर 200 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। पांच बार के वर्ल्ड चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। उन पर ड्रेस कोर्ड के उल्लंघन को लेकर अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) ने नोटिस जारी किया है और करीब 17 हजार का जुर्माना भी लगाया है। FIDE के अनुसार नॉर्वे के शतरंज ग्रैंडमास्टर ने वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप में ड्रेस कोर्ड का पालन करने से इनकार कर दिया था। उन्हें इस चैंपियनशिप के लिए अयोग्य भी घोषित कर दिया गया है। टूर्नामेंट के समय चीफ आर्बिटर ने कार्लसन को अपनी ड्रेस बदलने को कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। टूर्नामेंट के समय चीफ आर्बिटर ने कार्लसन को अपनी ड्रेस बदलने को कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

सभी प्लेयर्स के लिए ड्रेस कोर्ड निर्धारित: FIDE

FIDE ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, चीफ आर्बिटर ने कार्लसन को अपनी ड्रेस बदलने का अनुरोध किया, पर उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इसलिए कार्लसन को टूर्नामेंट के नौवें राउंड के लिए नहीं जोड़ा गया है। महासंघ ने आगे कहा कि यह निर्णय निष्पक्ष रूप से लिया गया और सभी शतरंज खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू होता है। सभी प्लेयर एक जैसा दिखे, इसलिए ड्रेस कोर्ड निर्धारित किया जाता है। ड्रेस कोड नियम FIDE एथलीट आयोग के सदस्यों की ओर से तैयार किया गया हैं। ये नियम सालों से लागू हैं और सभी चेस प्लेयर को टूर्नामेंट से पहले इस बारे में बताया जाता है।कार्लसन ने 2023 में शतरंज वर्ल्ड कप चैंपियन जीता था। कार्लसन जींस पहनकर टूर्नामेंट में पहुंचे थे कार्लसन जींस पहनकर टूर्नामेंट में पहुंचे थे। उन्होंने पहले ही ड्रेस कोर्ड पहनने से इनकार कर दिया था। उन पर 200 अमेरिकी डॉलर (करीब 17 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया गया है। मैग्नस कार्लसन 2011 से वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर वन पर काबिज हैं। कार्लसन पांच बार के क्लासिकल शतरंज चैंपियन, पांच बार के वर्ल्ड रैपिड चैंपियन, सात बार के वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियन और छह बार के नॉर्वे शतरंज चैंपियन है। रूसी शतरंज खिलाड़ी पर भी लगाया गया जुर्माना

इससे पहले रूसी शतरंज ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमनियाचची पर भी स्पोर्ट्स शूज पहनकर ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया था। हालांकि, नेपोमनियाचची ने इसका पालन किया और बाद में निर्धारित पोशाक पहनकर आए।

अगले हफ्ते लगेगा नए आईपीओ का चौका, 6 की होगी लिस्टिंग, जानें ग्रे मार्केट में क्या है भाव

शेयर मार्केट में अगले हफ्ते भी हलचल रहेगी। अगले हफ्ते चार आईपीओ खुलेंगे। इनमें से एक आईपीओ मेन बोर्ड से और तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट से हैं। वहीं 6 आईपीओ की शेयर मार्केट में लिस्टिंग भी होगी। जो आईपीओ खुलेंगे, उनमें से कई को ग्रे मार्केट में जबरदस्त भाव मिल रहा है।

नई दिल्ली: साल 2024 को खत्म होने में मात्र दो दिन ही बचे हैं। हालांकि आईपीओ आ आना खत्म नहीं हुआ है। अगले हफ्ते चार नए आईपीओ शेयर मार्केट में एंट्री कर रहे हैं। इनमें से एक आईपीओ मेन बोर्ड से और तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट से हैं। इनमें से कुछ आईपीओ को ग्रे मार्केट में जबरदस्त भाव मिल रहा है। अगर आप आईपीओ के जरिए शेयर मार्केट में निवेश करना पसंद करते हैं तो इन आईपीओ में दांव लगा सकते हैं। वहीं अगले हफ्ते 6 आईपीओ की लिस्टिंग भी होगी।

1. Indo Farm Equipment

यह मेन बोर्ड का आईपीओ है। इसका इश्यू साइज 260.15 करोड़ रुपये है। कंपनी 184.90 करोड़ रुपये के 86 लाख फ्रेश इश्यू और 75.25 करोड़ रुपये के 35 लाख ओएफएस के तहत इश्यू जारी करेगी।

यह आईपीओ निवेश के लिए मंगलवार यानी 31 दिसंबर को खुलेगा। इसमें आप 2 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। इसकी लिस्टिंग 7 जनवरी को हो सकती है। इसकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। वहीं प्राइस बैंड 204 से 215 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 69 शेयर हैं। इसके लिए कम से कम 14,835 रुपये निवेश करने होंगे। एक रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट बुक करवा सकेगा।

क्या है ग्रे मार्केट में स्थिति?

ग्रे मार्केट में इसे अच्छा भाव मिल रहा है। रविवार सुबह 11:30 बजे तक इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 80 रुपये था। यानी यह आईपीओ 37.21% प्रीमियम के साथ 295 रुपये पर लिस्ट हो सकता है।

हर मिनट में 1.5 लाख रुपये को हो रही ठगी... ऑनलाइन फ्रॉड थमने का नाम ही नहीं ले रहा

2024 में साइबर अपराध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित हो चुका है, और धोखाधड़ी की घटनाएं लाखों करोड़ों तक पहुंच गई हैं। विभिन्न साइबर प्लेटफ़ॉर्म और ऐप के माध्यम से लोग ठगी के शिकार बन रहे हैं, जिसमें उच्च रिटर्न के झूठे वादे प्रमुख हैं। एआई से आशा बनी हुई है।

नई दिल्ली : अगर 2024 को एक वीडियो गेम मानें तो पहला राउंड घोटालेबाजों के पक्ष में जाता है। डिजिटल गिरफ्तारियां, ड्रग्स (आमतौर पर MDMA) से भरे कूरियर पैकेज, नकली चालान, शेयर ट्रेडिंग ऐप पर 100% रिटर्न... हमसे हमारे पैसे लूटने के तरीके अंतहीन और बिल्कुल नए हैं। लगभग आपको उन अच्छे पुराने घोटालों की याद दिलाता है जहां बदमाश ने अपने कुकृत्य की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में कम से कम कुछ समय और प्रयास लगाया करते थे।

अंतरराष्ट्र क्राइम नेटवर्क में तब्दील धोखेबाज अब नूह या जामताड़ा में बैठे बेरोजगार लड़के नहीं हैं जो आपसे OTP लेकर पैसे कमाने के लिए तैयार रहते हैं। अब यह एक अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क बन चुका है जिसके कॉल सेंटर कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में हैं। इनके संचालक ऐसे टेक्निकल एक्सपर्ट हैं जो खुद साइबर गुलाम हो सकते हैं। ये लोग डॉक्टरों, वकीलों, यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों और यहां तक कि IIT इंजीनियरों से भी लाखों की ठगी करते हैं। **कितने की हो रही ठगी**

यह आग बुझाने वाले पाइप से पानी निकलने जैसा है। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट और एथेनियन टेक लिमिटेड के सीईओ कनिष्क गौर कहते हैं कि घोटाले का औसत टिकट आकार कुछ हजारों से बढ़कर लाखों और करोड़ों तक पहुंच गया है। एक साइबर अपराध अधिकारी ने अनुमान लगाया कि भारतीय हर मिनट अपराधियों के हाथों 1.5 लाख रुपये गंवा रहे हैं। इससे किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट रक्षित टंडन कहते हैं कि शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे हर दिन धोखाधड़ी वाले दो-चार कॉल न आते हों। वे कहते हैं कि लोगों में डिजिटल समझदारी या DQ की कमी है, IQ की नहीं। वे ऐसे वादों में फंस जाते हैं जैसे कि आपको निवेश पर 100% रिटर्न मिलेगा, या फिर ऐसी धमकियां कि कोई पुलिसवाला आपको वीडियो कॉल पर गिरफ्तार कर रहा है या फिर आपका चालान या बिल किसी दूसरे शहर में लंबित है।

अधिक ऑनलाइन...अधिक झांसा जैसे-जैसे हम अपनी जिंदगी का अधिकतर हिस्सा ऑनलाइन जी रहे हैं, वैसे-वैसे अधिक से अधिक लोग इसके झांसे में आ रहे हैं। चाहे आपकी शिक्षा या संपत्ति कितनी भी हो। वर्धमान समूह के प्रमुख और पद्म पुरस्कार विजेता एसपी ओसवाल को सीबीआई अधिकारी होने का दिखावा करने वाले घोटालेबाजों ने 7 करोड़ रुपये ठग लिए। जबकि दिल्ली की एक फर्म के मुख्य वित्तीय अधिकारी को कंपनी के एमडी होने का दिखावा करने वाले एक व्यक्ति ने 4.96 करोड़ रुपये ठग लिए। उसे सरकारी ठेकों के लिए तुरंत पैसे की जरूरत थी।

डोनाल्ड ट्रंप होंगे 'गायब', यूक्रेन जीतेगा युद्ध... बाबा वेंगा के AI वर्जन की सनसनीखेज भविष्यवाणी, 2025 पर बड़ा दावा

बाबा वंगा के एआई संस्करण 2025 में डोनाल्ड ट्रंप, व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन, पश्चिम एशिया के लिए भविष्यवाणियां कर रहा है। उनका कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप को कानूनी और स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी कुछ मुद्दों से जूझेंगे। सऊदी और ईरान में समझौता होगा।

बुल्गेरिया: बाल्कन की नास्त्रेदमस के नाम से मशहूर बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां एक बार फिर चर्चा में हैं। बाबा वेंगा के AI वर्जन ने आने वाले साल, 2025 के लिए कुछ अहम भविष्यवाणियां की हैं। इसमें डोनाल्ड ट्रंप की सेहत, व्लादिमीर पुतिन की चुनौती, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया पर बड़े दावे किए गए हैं। AI बाबा वेंगा का वर्चुअल रूप है, जो 1996 में दुनिया छोड़ चुकी हैं। वेंगा अपनी सटीक भविष्यवाणियों के लिए ख्याति रखती हैं। अब साल 2025 के लिए उनकी भविष्यवाणियां ध्यान खींच रही है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, AI बाबा वेंगा ने दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप के लिए साल 2025 उथल-पुथल भरा रहेगा। ट्रंप इस साल कानूनी उलझम, खराब स्वास्थ्य और अपनी विरासत पर तनातनी का सामना करेंगे। ट्रंप को व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ये उन्हें कुछ समय के लिए लोगों की नजरों से भी दूर कर देगी। हालांकि वह इससे उबर जाएंगे और फिर से लोगों के सामने आएंगे। ट्रंप के बच्चों में से एक के राजनीति में उभरने की उम्मीद है। **यूक्रेन युद्ध का होगा फैसला**! AI बाबा वेंगा ने 2025 को यूक्रेन युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ आने की भविष्यवाणी की है। इस साल यूक्रेन एक बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू करेगा, जिससे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर फिर से कब्जा हो जाएगा। भारी नुकसान के बावजूद एक बड़ी जीत हासिल होगी। यह जीत यूक्रेनी लोगों को एकजुट करेगी। इसके अलावा एक ऐतिहासिक कदम मेंअमेरिका और यूरोपीय शक्तियों के साथ एक अभूतपूर्व समझौता होगा। साल 2025 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलगाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती का सामना करेंगे। AI बाबा वंगा का दावा है कि 2025 में पुतिन को एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ेगा, जिससे कई तरह की अफवाहें फैलेंगी। ये रूस और विदेशों में उनके प्रतिद्वंद्वियों को ताकत देने वाली होंगी। इससे सत्ता पर पुतिन की पकड़ कमजोर होगी।

सऊदी-ईरान में समझौता AI बाबा वंगा की भविष्यवाणियां केवल ट्रंप, पुतिन और यूक्रेन तक ही सीमित नहीं हैं। वे दुनिया भर में होने वाले बड़े बदलावों की भी भविष्यवाणी करती हैं। सऊदी अरब और ईरान 2025 में चीन की मध्यस्थता से एक ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता इजरायल के लिए बड़ी चिंताएं पैदा करेगा। खेलों की दुनिया में साल 2025 इंग्लैंड फुटबॉल टीम के लिए अच्छी कबर लेकर आएगा।

खाड़ी के दो कट्टर दुश्मनों इजरायल और ईरान में दोस्ती कराएंगे इस मुस्लिम देश के सुल्तान! यहूदी देश के लिए बन सकते हैं ट्रंप कार्ड

ओमान ने लंबे समय तक इजरायल के साथ खुले रिश्ते रखे हैं। इसके साथ ही यह तेहरान से भी अच्छे रिश्ते रखता है, तो यमन के हूतियों को भी मेडिकल सहायता देता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि यह एक ऐसा देश है, जो सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने में बहुत अच्छा है।

मस्कट: ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने पांच साल पहले जब अपने चचेरे भाई कबूस बिन सईद की मौत के बाद सत्ता संभाली थी, जो किसी ने नहीं सोचा था कि उनके ऊपर आने वाले में समय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की जिम्मेदारी आ सकती है। मध्य पूर्व में शांति को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देशों की नजर ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद है। तारिक अल सईद को ये अपने चचेरे भाई और पूर्व सुल्तान कबूस से विरासत में मिला है, जिन्होंने वर्षों तक इजरायल के साथ खुले तौर पर संबंध बनाए रखे। साल 2018 में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ओमान की यात्रा की थी। उस दौरान मस्कट के महल में सुल्तान कबूस और नेतन्याहू के बीच मुलाकात हुई थी। **ओमान के इजरायल से रिश्ते** ओमान अपने क्षेत्र में इजरायल को राजनयिक उपस्थिति को मंजूरी देने वाला पहला खाड़ी राज्य था। इसके बाद क्षेत्र के अन्य देशों में आगे राजनयिक प्रतिनिधित्व स्थापित किया गया। सुल्तान कबूस ने 49 साल तक देश पर शासन किया। उन्होंने कभी खत्म न होने वाले गृहयुद्धों से भरे देश को संभाला और उसे स्थिर किया। अब सुल्तान हैथम भी कबूस के पदचिन्हों पर चल रहे हैं। लेकिन देश अब यमन में सक्रिय आतंकवादी संगठनों को लेकर चिंतित है। **ओमान क्यों है महत्वपूर्ण**? यमन में लड़ाई के ओमान पर असर के बावजूद देश ने हूतियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे हैं। हूतियों को ओमान में चिकित्सा सहायता मिलती है। ऐसी भी रिपोर्ट हैं कि उनका तस्करी का सामान भी ओमान के जरिए आता है। यह ओमान के लिए अच्छा रहा है, क्योंकि इसने हूतियों के साथ बातचीत में सऊदी की सहायता की है और मध्यस्थता के लिए अमेरिका की भी मदद की है। यही वजह है कि इजरायल की नजर में भी ओमान एक महत्वपूर्ण है। वह ईरान के साथ बातचीत में मध्यस्थता करा सकता है। **ईरान और अमेरिका दोनों को भरोसा** हैथम ने मई 2023 में तेहरान का दौरा किया था। मोशे दयान सेंटर के सीनियर फेलो प्रोफेसर उजी रबी कहते हैं कि यह एक ऐसा देश है, जो सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने में बहुत अच्छा है। वह कभी भी पूरी तरह से दरवाजा बंद नहीं करता है। उन्होंने कहा कि ओमान को यह बात समझ आ गई है कि वह हूतियों और ईरानियों से बात करते हैं। वे अमेरिका और पश्चिम की नजरों में महत्वपूर्ण हैं।

संविधान, महाकुंभ, मलेरिया को मात और कैंसर का इलाज, जानिए PM मोदी ने मन की बात में किन बातों का किया जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 117वें एपिसोड में स्वास्थ्य क्षेत्र में मलेरिया और कैंसर के खिलाफ लड़ाई, तमिल भाषा की प्राचीनता, फिल्मी हस्तियों की 100वीं जयंती, बस्तर ओलंपिक, प्रयागराज महाकुंभ 2025 के AI चैटबोट सुविधा और संविधान के 75 वर्षों पर चर्चा की।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 117वां एपिसोड में कई बातों का जिक्र किया। शुरुआत में नए साल की एडवांस में बधाई के साथ उन्होंने संविधान के 75 वर्ष और प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की भी चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने फिल्मी हस्तियों जैसे मोहम्मद रफी, राज कपूर और अक्किनेनी नागेश्वर राव गारू के भी योगजान की सराहना की। यही नहीं पीएम ने देश में मलेरिया के खिलाफ सफल लड़ाई और कैंसर के इलाज की भारत में बढ़ी संभावनाओं पर भी जोर दिया। **'आयुष्मान भारत योजना' का कैंसर के इलाज में बड़ा योगदान** मोदी ने कहा कि दुनिया के मशहूर Medical Journal Lancet की स्टडी वाकई बहुत उम्मीद बढ़ाने वाली है। इस जर्नल के मुताबिक अब भारत में समय पर कैंसर का इलाज शुरू होने की संभावना काफी बढ़ गई है। समय पर इलाज का मतलब है कि कैंसर मरीज का इलाज 30 दिनों के भीतर ही शुरू हो जाना और इसमें बड़ी भूमिका निभाई है।'आयुष्मान भारत योजना' ने।

पीएम ने आगे कहा कि इस योजना की वजह से cancer के 90 प्रतिशत मरीज, समय पर अपना इलाज शुरू करा पाए हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि पहले पैसे के अभाव में गरीब मरीज cancer की जांच में, उसके इलाज से कतराते थे। अब 'आयुष्मान भारत योजना' उनके लिए बड़ा संबल बनी है। अब वो आगे बढ़कर अपना इलाज कराने के लिए आ रहे हैं। ओडिशा का कालाहांडी कम पानी और कम संसाधनों के बावजूद सफलता की नई गाथा लिख रहा है। जहां कभी किसान पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक vegetable hub बन गया है।

'हमने मलेरिया के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी' प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कहा कि मलेरिया की बीमारी चार हजार वर्षों से मानवता के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। आजादी के समय भी यह हमारी सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक थी। आज, मैं संतोष से कह सकता हूं कि देशवासियों ने मिलकर इस चुनौती का दृढ़ता से मुकाबला किया है। असम में जोरहाट के चाय बागानों में मलेरिया चार साल पहले तक लोगों की चिंता की एक बड़ी वजह बना हुआ था। लेकिन जब इसके उन्मूलन के लिए चाय बागान में रहने वाले एकजुट हुए, तो इसमें काफी हद तक सफलता मिलने लगी। अपने इस प्रयास में उन्होंने Technology के साथ-साथ Social media का भी भरपूर इस्तेमाल किया है। **हर हिंदुस्तानी को तमिल भाषा पर गर्व- मोदी**

पीएम ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि ये हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल है और हर हिन्दुस्तानी को इसका गर्व है। दुनियाभर के देशों में इसे सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले महीने के आखिर में फिजी में भारत सरकार के सहयोग से तमिल टीचिंग प्रोग्राम शुरू हुआ। बीते 80 वर्षों में यह पहला अवसर है,जब फिजी में तमिल के ट्रेंड टीचर्स इस भाषा को सिखा रहे हैं। बस्तर में एक अनूठा ओलंपिक शुरू हुआ है। बस्तर ओलंपिक से बस्तर में एक नई क्रांति जन्म ले रही है। मेरे लिए ये बहुत ही खुशी की बात है कि बस्तर ओलंपिक का सपना साकार हुआ है। आपको भी ये जानकार अच्छा लगेगा कि यह उस क्षेत्र में हो रहा है, जो कभी माओवादी हिंसा का गवाह रहा है। **पीएम मोदी, मन की बात**

केटीबी का मतलब पीएम मोदी ने बताया

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि KTB यानी कृष, तृष और बाल्टीबॉय... आपको शायद पता होगा कि ये बच्चों की पसंदीदा एनिमेशन सीरीज है और इसका नाम है KTB– भारत हैं हम। अब इसका दूसरा सीजन भी आ गया है। ये तीन एनिमैटिक कैरेक्टर हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायक-नायिकाओं के बारे में बताते हैं जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। हाल ही में इसका सीजन-2 बड़े ही खास अंदाज में International Film Festival of India, Goa में लॉन्च हुआ।

कई फिल्मी जगत की हस्तियों की 100वीं जयंती मोदी ने आगे कहा कि वर्ष 2024 में हम फिल्म जगत की कई महान हस्तियों की 100वीं जयंती मना रहे हैं। इन विभूतियों ने भारतीय सिनेमा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। मशहूर गायक मोहम्मद रफी का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि रफी साहब की आवाज में एक ऐसा जादू था जो हर किसी के दिल को छू लेता था। उनकी आवाज अद्भुत थी। चाहे भक्ति गीत हों या रोमांटिक गाने, दुख भरे गाने हों, उन्होंने अपनी आवाज़ से हर भावना को जीवंत कर दिया। एक कलाकार के रूप में उनकी महानता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज भी युवा पीढ़ी उनके गानों को उतनी ही शिद्दत से सुनती है - यही तो है कालातीत कला की पहचान।

सूरज के सबसे करीब पहुंचा NASA का स्पेसक्रॉफ्ट:982 डिग्री तापमान में भी सुरक्षित रहा, 1 जनवरी से डेटा भेजेगा

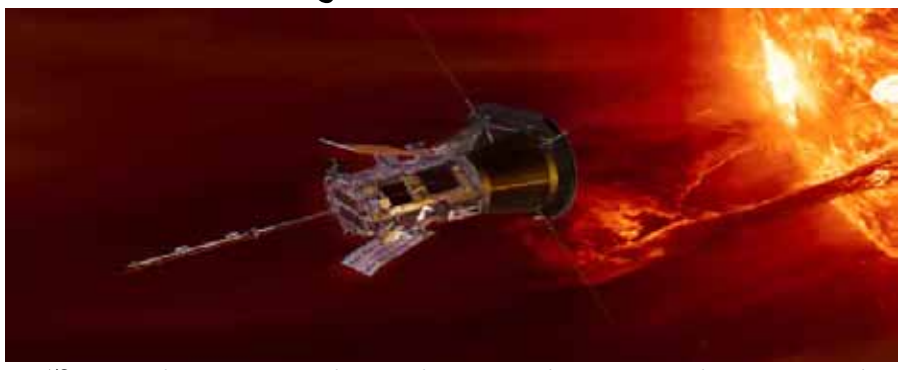

वॉशिंगटन अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के स्पेसक्राफ्ट पार्कर सोलर प्रोब ने 24 दिसंबर की शाम को सूरज के बेहद करीब पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया है। नासा का यह यान सूरज से करीब 61 लाख किमी की दूरी से गुजरा। ये दुनिया का पहला यान है जिसने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है। एजेंसी ने आगे कहा कि पार्कर सोलर प्रोब यान 1 जनवरी को अपनी स्थिति और खोजों का विस्तृत डेटा भेजेगा। सूरज के पास से गुजरते समय स्पेसक्राफ्ट की स्पीड 6.9 लाख किमी/घंटा से अधिक थी। उस वक्त यह यान 982 डिगी सेल्सियस गर्मी झेल रहा था। इतनी तेज गर्मी के बावजूद यान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पार्कर सूरज के जिस बाहरी वातावरण से गुजरा उसे कोरोना कहते हैं। यह सूर्य और हमारे सौर मंडल पर इसके प्रभाव को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पार्कर सोलर प्रोब 1 जनवरी को अपनी स्थिति और खोजों के विस्तृत डेटा भेजेगा। **27 दिसंबर को सिग्नल भेजा**

नासा से मिली जानकारी के अनुसार पार्कर सोलर प्रोब ने 27 दिसंबर को धरती पर नासा के जॉन्स हॉपकिन्स एप्लाइड फिजिक्स लेबोरेटरी टीम को सिग्नल भेजा जिससे वैज्ञानिकों को उसके सुरक्षित होने और सही से काम करने के बारे में पता चला। नासा के इस मिशन का मकसद पृथ्वी के सबसे करीबी तारे सूरज के बारे में ज्यादा जानकारी इकट्ठा करना है। यान के सूरज के बाहरी वातावरण में पहुंचने से वैज्ञानिकों को सूरज के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

NASA बोला- सही तरीके से काम कर रहा है पार्कर यान टाइम्स पर इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नासा ने जानकारी देते हुए कहा- 'सूर्य के सबसे करीब पहुंचने के बाद पार्कर सोलर प्रोब ने एक बीकन टोन भेजा है जो यह दर्शाता है कि यह अच्छी स्थिति में है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। यह हमारे लिए अच्छी खबर है क्योंकि यान खराब स्थिति में सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहा था '।

डोनाल्ड ट्रंप ने H-1B वीजा का किया समर्थन, बताया एक बेहतरीन प्रोग्राम, एलन मस्क के विरोधियों को बड़ा झटका

अमेरिका में H-1B वीजा को लेकर बहस शुरू हो गई है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रोग्राम का समर्थन किया और इसे बेहतरीन बताया। एलन मस्क और विवेक रामास्वामी ने भी H-1B का समर्थन किया। ट्रंप का इस प्रोग्राम को समर्थन करना मस्क के विरोधियों को झटका है।

वॉशिंगटन: अमेरिका में H-1B वीजा को लेकर बहस शुरू हो गई है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को इस पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि वह इस प्रोग्राम में विश्वास करते हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहा है, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये हैं।' उन्होंने कहा, 'मेरी प्रॉपर्टी पर कई H-1B वीजा वाले लोग हैं। मैं H-1B में विश्वास करता हूं। मैंने कई बार इसका इस्तेमाल किया है और यह एक बेहतरीन प्रोग्राम हैं।' ट्रम्प ने अपनी बातचीत में एलन मस्क, विवेक रामास्वामी, श्रीराम कृष्णन और डेविड सैक्स की बातों का समर्थन किया। इस वीजा प्रोग्राम को लेकर ट्रंप की टीम में फूट देखी जा रही है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने H-1B वीजा कार्यक्रम की आलोचना की थी और अपने पहले कार्यकाल के दौरान इस तक पहुंच को प्रतिबंधित किया था। लेकिन इस बार के चुनावी अभियान में उन्होंने कहा कि अगर कोई भी अमेरिकी कॉलेज यूनिवर्सिटी से स्नातक है तो उसे ऑटोमैटिक रूप से ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। **एलन मस्क ने किया H-1B का समर्थन** H-1B रुख पर ट्रंप के बदलाव ने विवाद को महत्वपूर्ण बना दिया है। क्योंकि ट्रंप प्रशासन H-1B वीजा प्रोग्राम में कुछ बदलाव ला सकता है, जिसके जरिए कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखती हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस वीजा प्रोग्राम में विस्तार की मांग की है, जो अमेरिका पहले नीति के समर्थकों के लिए चिंता की बात है। विवेक रामास्वामी ने भी इसका समर्थन किया है। **विरोधियों पर भड़के मस्क** एच-1बी वीजा को लेकर एलन मस्क को ट्रंप के कई समर्थकों से आलोचना का सामना करना पड़ा। मस्क ने अब इसका ऐसा जवाब दिया है, जो असभ्य माना जा सकता है। उन्होंने विरोधियों के लिए 'F शब्द' का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक ट्वीट के जवाब में लिखा, 'मैं अमेरिका में हूं और मेरे साथ वे कई महत्वपूर्ण लोग भी हैं जिन्होंने स्पेसएक्स, टेस्ला और अन्य सैकड़ों कंपनियां बनाई हैं, जिन्होंने अमेरिका को मजबूत बनाया है। इसका कारण H-1B है।' उन्होंने आगे कहा कि मैं इस मुद्दे के लिए युद्ध छेड़ने को भी तैयार हूं, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते।

मैं डार्क सिनेमा बनाने वाला निर्देशक नहीं बनना चाहता

लेखक, गीतकार और कॉमेडियन के रूप में वरुण ग्रोवर ने खासा अच्छा काम किया है। सेक्रेड गेम्स जैसी चर्चित सीरीज का यह लेखक दम लगा के हाइशा में मोह मोह के धागे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी पा चुका है। कई फिल्मों और गीतों का लेखन कर चुके वरुण ग्रोवर इन दिनों चर्चा में हैं अपनी पहली फिल्म ऑल इंडिया रैंक के लिए, जिसे उन्होंने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म से उन्होंने बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया है। हाल ही वरुण ग्रोवर से उनकी फिल्म, करियर और अन्य मुद्दों पर ातचीत की।

आप बचपन में क्या बनना चाहते थे?

मैं तो राइटर बनना चाहता था। हालांकि मुझसे कभी यह पूछा ही नहीं गया कि मुझे क्या बनना है? मैं पढ़ने में अच्छा था, मगर मुझे यह नहीं समझ में आता था कि मैं 16 साल का हूं और मुझे अभी से पूरी जिंदगी क्यों तय करनी है? मैं यही सोचता था कि अभी मैं 16 का हूं और अभी मैंने चुन लिया कि मुझे डॉक्टर या इंजीनियर बनना है, तो सारी जिंदगी मैं वही रहूंगा। मुझे कोई तीसरी चॉइस दी ही नहीं गई। मैं लिखता था, मगर मेरे पास आर्ट्स पढ़ने की चॉइस नहीं थी। मुझसे न कभी पूछा गया और ना कहा गया और मुझ में भी हिम्मत नहीं थी कि मैं कह सकूं कि मैं राइटर बनना चाहता हूं।

हाल ही में विक्की कौशल ने आपकी फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया था, उनसे आपकी कैसी बॉन्डिंग है?

विक्की से मेरा बहुत प्यारा रिश्ता है। बतौर स्क्रीन राइटर मसान मेरी पहली फिल्म थी और वह विक्की की भी एक्टर के रूप में पहली फिल्म थी। उस समय भी जब हम सेट पर मिलते थे, तो हमारी बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी। विक्की भी इंजीनियरिंग छोड़कर अपने सपनों को पूरा करने इंडस्ट्री में आए। मसान के समय हमारी जो दोस्ती बनी, वो इतनी पक्की थी कि आज तक कायम है। आज भी हम कहीं न कहीं टकरा ही जाते हैं। मुझे विक्की के अंदर की ईमानदारी बहुत आकर्षित करती है।

आपकी फिल्म ऑल इंडिया रैंक 12वीं फेल से प्रेरित है?

यह सवाल मुझे कई लोग पूछ रहे हैं कि ये फिल्म आपने उसके बाद बनाई क्या? तो इसके जवाब में मैं यही कहना चाहूंगा कि हमारी फिल्म का प्रीमियर पिछले साल 5 फरवरी को ही हो गया था और 12अद्ध फेल तो बाद में आई। इस फिल्म की स्क्रिप्ट मैंने 2014 में लिखी थी। फिल्म हमने 2022 में शूट कर ली थी, तो एक तरह से इसे बनाने में मुझे दस साल लग गए। पिछले साल इन्ही दिनों हम रोटरडैम में थे। हमारी फिल्म वहां के फेस्टिवल में दिखाई गई थी। हमारी फिल्म का 12वीं फेल से कुछ लेना-देना नहीं है। बस ये दोनों फिल्में एक समय पर आ गई हैं और इसलिए इनकी तुलना हो रही है। ये मेरी पर्सनल कहानी है।

आपकी फिल्म कई फिल्म फेस्टिवल्स में सराही गई है, मगर क्या अब थिएट्रिकल रिलीज को लेकर आप नर्वस हैं?

नर्वसनेस थोड़ी है, मगर ज्यादा नहीं है, क्योंकि मुझे दो चीजों पर भरोसा है। हमने अपनी पूरी ईमानदारी से फिल्म बनाई है। इसमें एक सचाई है। कॉमर्स की बात करू, तो मुझे यकीन है कि ये एक यूनिक कहानी है, जो अभी तक कही नहीं गई है। ये स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता के मानसिक हाल पर है, जिसे हमने हास्य अंदाज में दिखाया है। इसमें माता-पिता पर ज्यादा फोकस है।

आप भविष्य में किस तरह के निर्देशक कहलाना पसंद करेंगे?

अभी तो ये मेरी पहली फिल्म है, मगर फिर भी इतना जरूर कहना चाहूंगा कि मैं डार्क सिनेमा बनाने वाले निर्देशक के रूप में नहीं पहचाना जाना चाहता। मैं भले लेखक के रूप में सेक्रेड गेम्स जैसा डार्क कंटेंट नहीं बनाऊंगा। हां, लेखक के रूप में मुझे जो कहा जाएगा, मैं लिख कर परोस दूंगा। मैं अर्बन स्टाइल का सिनेमा बनाना चाहता हूं। मैं हमारे समय और हम जैसे मिडल क्लास लोगों की कहानियां लाना चाहता हूं, जिसमें ह्यूमर और म्यूजिक दोनों हो।

हॉलिवुड डेब्यू करने जा रहीं हैं शोभिता

शोभिता धुलिपाला एक के बाद एक बेहतरीन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनकर दर्शकों का दिल जीत रही हैं। अभिनेत्री आखिरी बार वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 में नजर आईं, जिसमें उन्होंने अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। शोभिता इन दिनों हॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। वहीं, अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि वे अपने जीवन में क्या करना चाहती हैं?

शोभिता धूलिपाला हॉलीवुड फिल्मों में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री देव पटेल के निर्देशन में बनी फिल्म मंकी मैन में नजर आएंगी। यह एक एक्शन फिल्म है। इस फिल्म से देव पटेल बतौर निर्देशक डेब्यू करने जा रहे हैं। यह फिल्म जॉर्डन पील के मंकीपॉ और यूनिवर्सल के जरिए रिलीज होगी। इस फिल्म में मकरंद देशपांडे, सिकंदर खेर, शार्ल्टो कोपले, पितोबाश, विपिन शर्मा, अदिति कालकुंटे और अश्विनी कालसेकर भी हैं। मंकी मैन का निर्माण देव पटेल, जोमन थॉमस, जॉर्डन पील, विन रोसेनफेल्ड, इयान कूपर, बेसिल इवानिक, एरिका ली, क्रिस्टीन हैबलर और अंजय नागपाल के जरिए किया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म भगवान हनुमान की कथा से प्रेरित है।

शोभिता ने बातचीत के दौरान पूछा गया कि वे अपने जीवन में क्या करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मैं ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि मैं जिस अनुभव का इंतजार कर रही हूं, वह मातृत्व है। जब भी यह खूबसूरत समय आएगा, तो वह आश्चर्यजनक होगा। अभिनेत्री का यह बयान उस समय आया है, जब उनकी नागा चैतन्य से डेटिंग की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने कुछ समय पहले अपनी डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी थी। शोभिता ने कहा, जो लोग बिना जानकारी के बोलते हैं, मुझे नहीं लगता कि मुझे उन्हें जवाब देने की जरूरत है, जब मैं कोई गलत काम नहीं कर रही हूं, तो मुझे चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती। शोभिता के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री जोया अख्तर और रीमा कागती की हालिया रिलीज वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 के अलावा मेड इन हेवन और द नाइट मैनेजर वेब शो और मन राघव 2.0, कालाकांडी जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा में भी नजर आएंगी। जिगरा फिल्म का निर्देशन वासन बाला के जरिए किया गया है।

8 साल बाद टीवी पर लौट रही हैं दीपिका सिंह

टेलीविजन एक्ट्रेस दीपिका सिंह को लोग दीया और बाती हम की संध्या राठी के रोल के लिए जानते हैं और उन्हें पसंद भी करते हैं। लेकिन अब वो पूरे आठ सालों के गैप के बाद एक फिर से टीवी पर लौट रही हैं। दीया और बाती हम के बाद, दीपिका ने द रियल सोलमेट (2018) के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया और तीन साल बाद, दीपिका ने सोशल ड्रामा टीटू अंबानी के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। दीपिका की पहली फिल्म का निर्देशन उनके पति रोहित राज गोयल ने किया था और तारीफें बटोरने के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छाप छोड़ने में असफल रही। लेकिन अब वो अपने नए टीवी सीरियल मंगल लक्ष्मी के साथ फिर से वापसी कर रही हैं।

सबसे पहले बताएं कि आपका नया सीरियल किस बारे में है, क्या थीम है?

ये कहानी है मंगल और उसकी बहन की। मंगल चाहती है कि उसकी बहन को ऐसा घर मिले जहां उसका सम्मान हो। वो कहती है कि काम के साथ-साथ उसे सम्मान भी मिले। एक और खूबसूरत चीज है जो मैंने कहीं किसी फिल्म या शो में नहीं देखा कि इसमें अलग बात है।

लंबे वक्त के बाद टीवी पर वापसी कर रही हैं, क्या कहना चाहेंगी?

लो कहते हैं ना कि खाना तभी खाना चाहिए जब भूख लगे। मेरा मानना है कि तब तक काम नहीं करना चाहिए जब तक मन ना हो। मैं काम करने के लिए मर रही थी। मैं भगवान और मेकर्स की शुक्रगुजार हूं कि ये मुझे मिला।

लंबे वक्त से आपको अपने हिसाब के शोज मिल नहीं रहे थे या ऑफर ही नहीं हो रहे थे?

नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। टीवी से हमेशा मुझे प्यार और सम्मान मिला है। मुझे हमेशा से ऑफर आते थे। मेरे परिवार में सब कहते थे कि मैं क्यों नहीं कर रही एक भी काम। मैंने लंबे वक्त तक बस सबको मना किया। लेकिन मुझे पता था कि मैं गलत नहीं कर रही हूं। मैंने इस समय में दूसरी चीजें सीखीं। इस दौरान, मैं मेरे बेटे के साथ वक्त बिता रही थी, उसे पाल रही थी।

आपने बीच में एक फिल्म भी की थी ओटीटी पर, और फिर टीवी पर दिख रही हैं, तो क्या क्या फर्क लगा टीवी और फिल्मों में?

मैं बहुत लकी हूं कि रोहित ने इतनी खूबसूरत फिल्म लिखी। मैंने उसमें मौसमी का किरदार निभाया। उन्होंने सोचा कि मैं फिल्म भी कर सकती हूं। हमें उस फिल्म के लिए बहुत सराहना मिली। वो उतनी सक्सेसफुल नहीं थी लेकिन मुझे मेरी एक्टिंग के लिए बहुत सराहा गया।

जैसा आपका सीरियल आ रहा है मंगल के संघर्ष की कहानी का, इसमें आपके पति का रोल थोड़ा रूड दिखाया गया है, क्या आपके सामने कभी रियल लाइफ में ऐसी सिचुएशन आई है कि पति से ओपिनियन मैच ना हो और आपको अपने हिसाब से चीजें करनी हों?

मैं बहुत इंडिपेंडेंट औरत हूं। शादी से पहले से ही मैं बहुत स्टेबल थी और मेरे अपने ओपिनियन बहुत स्ट्रॉन्ग होते हैं। कहीं न कहीं मैं लड़ाई में पड़ना नहीं चाहती। मैं मेरे पति को मेंटर की तरह देखती हूं और कभी अगर ऐसा होता है तो मैं इसे सम्मान के साथ लेती हूं। उनकी बात मुझे सही लगती है, तो मैं मानती हूं। मुझे लगता है कि सही नहीं है, तो उनकी बात काट देती हूं।

जब आपने डेब्यू किया था और अब का समय, आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा है?

मेरे लिए बहुत सारे चैलेंज आए हैं। लेकिन इतने साल काम करने के बाद एक एक्सपीरियंस आ जाता है। कॉन्फिडेंस बढ़ जाता है। विश्वास आ जाता है कि सब हो जाएगा। वैसे हर दिन मेरे लिए एक नया चैलेंज है।

शाहरुख खान के साथ अभिनय करना बचपन का सपना

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी फिल्म भक्षक को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज ने किया है। फिल्मों के अलावा भूमि सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर लोगों के सवालों के जवाब देने के लिए एक सत्र का आयोजन किया था। इस दौरान उन्होंने फैंस के बहुत से प्रश्नों का उत्तर दिया। इस सेशन के दौरान जब अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि आप भविष्य में किस एक्टर के साथ काम करना चाहेंगी? इस पर भूमि ने बिना देर लगाए शाहरुख खान का नाम लिया। उन्होंने बताया कि किंग खान के साथ फिल्म में काम करने का उनका बचपन का सपना है।

अभिनेत्री ने साझा की गई वीडियो स्टोरी में कहा, यार ईमानदारी से कहूं तो अभिनेता अभिनेता क्या सुपरस्टार, शाहरुख सर के साथ फिल्म में काम करने का बचपन का सपना है। मैं इसके बहुत नजदीक पहुंच चुकी हूं, क्योंकि उन्होंने भक्षक का निर्माण किया है। सबसे कमाल की बात यह है कि डंकी और भक्षक, दोनों नेटफिलक्स पर ट्रेंड कर रहे हैं, मेरा सपना है शाहरुख सर के साथ अभिनय करने का। वे सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, एसआरके आप किंग हैं। उन्होंने बताया था कि उनकी भी हॉलीवुड में काम करने के आकांक्षाएं हैं और यह कलाकारों के लिए महत्वाकांक्षी होने का यह सबसे अच्छा समय है क्योंकि दुनिया अब संस्कृतियों, विविधता और प्रामाणिकता का मिश्रण है।

मैं दोबारा 21 साल की दिखना नहीं चाहती

फिल्म इंडस्ट्री में करीना कपूर को 20 साल से ज्यादा का समय हो गया है। अपनी फिल्मों और अभिनय से वह लगातार फैंस का दिल जीत रही हैं। यही वजह है कि उन्हें प्यार से सब बेबो बुलाते हैं। करीना की अगली फिल्म 'द क्रू' है। हाल ही में करीना कपूर ने उम्र को लेकर अपने विचार साझा किए। अगर आपको लगता है कि बेबो आज भी स्वीट 16 दिखना चाहती हैं, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। बढ़ती उम्र के साथ उन्हें वापस से 21 साल जैसा दिखना पसंद नहीं। करीना की उम्र 40 पार हो चुकी है फिलहाल वह 43 साल की हैं, लेकिन उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं। न ही उनकी ऐसी इच्छा है कि वह खुद को 20 या 21 साल जितना यंग दिखाएं। गौरतलब है कि करीना की अगली मूवी द क्रू में उनके साथ तब्बू और कृति सेनन भी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान करीना ने बताया, 'मेरी उम्र 40 को पार कर चुकी है, इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं, बल्कि अपनी उम्र को गले लगाना मुझे पसंद है। उम्र सिर्फ एक नंबर है। आप उम्र दराज तब दिखते हैं, जब आप खुद को ऐसा रखते हैं। आपको खुद को फिट रखने की जरूरत होती है। हम एक विजुअल मीडियम में काम करते हैं। फिल्मों में काम करते हैं, तो हमें खुद का ख्याल रखना, फिट रखना और अच्छा दिखना जरूरी है। मैं दोबारा से 21 साल की दिखना नहीं चाहती। मैं उम्र के जिस पड़ाव में हूं बहुत खुश हूं।' करीना की नजर में उन्होंने और उनकी जैसी दूसरी हीरोइनों ने इंडस्ट्री का ट्रेंड ही बदल दिया है। करीना कहती हैं, 'अब एक्ट्रेसेज बहुत ही मजबूत किरदार निभा रही हैं। इससे हीरोइनों को भी अब अहम किरदार निभाने के लिए दिए जा रहे हैं।

शाहरुख खान के साथ फिर काम करेंगे एटली

शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान बनाने वाले एटली कुमार अब एक्टर के साथ एक और फिल्म बनाना चाहते हैं। तमिल फिल्मों के डायरेक्टर एटली, शाहरुख के बड़े फैन हैं और हमेशा से उनके साथ काम करना चाहते थे। जब यह ख्वाहिश जवान में पूरी हुई, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एटली ने शाहरुख को भारतीय सिनेमा में स्टारडम और शालीनता का प्रतीक बताया। एटली कुमार ने शाहरुख खान की खूब तारीफ की, और उनके साथ दोबारा काम करने की इच्छा भी जाहिर की। एटली ने कहा कि वह अब जवान से भी तगड़ा सब्जेक्ट लेकर आएंगे, और उसे शाहरुख के साथ बनाएंगे। वह बोले, मुझे उनकी सभी फिल्में पसंद हैं, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है, ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस...लिस्ट लंबी है और मैं आगे भी नाम गिना सकता हूं। मेरे लिए वह दुनिया भर में भारतीय सिनेमा का चेहरा हैं। शाहरुख सर के साथ काम करना एक सपना है। सौभाग्य से, मुझे अपनी पांचवीं फिल्म में ऐसा करने का मौका मिला। भगवान की कृपा रही है और मुझे लगता है कि मैंने इसके साथ न्याय किया है।

शाहरुख के साथ दोबारा काम करने पर यह बोले एटली

एटली से जब पूछा गया कि क्या भविष्य में शाहरुख के साथ दोबारा काम करने की संभावना है, तो वह बोले, बिल्कुल, मैं उनके साथ दोबारा काम करूंगा। मैं जवान से भी अच्छा सब्जेक्ट लेकर आऊंगा और जरूर उनके पास जाऊंगा। फिर उसे मैं उन्हें सुनाऊंगा। अगर शाहरुख सर को पसंद आया, तो जरूर ऐसा होगा कि हम दोनों फिर से साथ में काम करेंगे। मुझे पता है कि वह मुझसे बहुत प्यार करते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में उनके जितना अच्छा इंसान नहीं देखा। धन्यवाद, शाहरुख सर। मैं एक बार आपके पास फिर आऊंगा जब जवान से भी बड़ा कुछ क्रैक कर लूंगा। मैं बिल्कुल आपसे पास आऊंगा।

मराठी अभिनेत्री तितीक्षा तावड़े ने की सगाई

मराठी टीवी अभिनेत्री तितीक्षा तावड़े किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। अभिनेत्री इन दिनों सातव्य मुलिची सातवी मुलगी सीरियल में नजर आ रही हैं। इसी बीच तितीक्षा ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी साझा की है। छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री ने अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड और अभिनेता सिद्धार्थ बोडके से सगाई कर ली है। कपल ने सोशल मीडिया पर सगाई की मनमोहक तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर फैंस और सितारे दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। सगाई की तस्वीरों को साझा करते हुए तितीक्षा तावड़े और सिद्धार्थ बोडके ने कैप्शन में लिखा, हमेशा के लिए अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ। कपल की सगाई की तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। मराठी इंडस्ट्री के सितारे तितीक्षा और सिद्धार्थ को दिल खोलकर बधाइयां दे रहे हैं।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बीच ऑस्ट्रेलिया का एक और खिलाड़ी चोटिल, सिडनी टेस्ट से हुआ बाहर

मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन जसप्रीत बुमराह की नो-बॉल ने ऑस्ट्रेलिया का आखिरी विकेट लेने का मौका गंवा दिया। राहुल ने गेंद को पैरों से ही लपक लिया था। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 228 रन बनाए, जिससे कुल बढ़त 333 रन की हो गई।

मेलबर्नः बॉक्सिंग डे टेस्ट क चौथे टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह की एक नो-बॉल की वजह से भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया का आखिरी विकेट नहीं मिला। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बुमराह ने लगभग सब कुछ सही किया, लेकिन पैर क्रीज से बाह जाने की वजह से ऑस्ट्रेलिया की टीम ऑलआउट नहीं हो पाई। अगर बुमराह को यह विकेट मिलता तो यह ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी का उनका 5वां विकेट भी हो जाता।

आखिरी ओवर में हुई घटनायह वाकया दिन के आखिरी ओवर में हुआ। नाथन लायन बल्लेबाजी कर रहे थे और भारत को जीत के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी। बुमराह ने एक शानदार गेंद फेंकी, जिस पर लायन ने बल्ले का किनारा लगा दिया। गेंद स्लिप में फील्डिंग कर रहे केएल राहुल के हाथों से निकल गई लेकिन उन्होंने पैरों से इसे लपक लिया। पूरी भारतीय टीम जश्न मनाने लगी। हालांकि, अंपायर ने नो-बॉल का इशारा किया। रिप्ले में साफ दिखा कि बुमराह का पैर क्रीज के आगे था।

इस नो-बॉल ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को राहत की सांस दी। लायन को जीवनदान मिल गया और ऑस्ट्रेलियाई टीम कुछ और रन बनाने में कामयाब रही। भारत को अब अगले दिन वापस आकर आखिरी विकेट लेना होगा। हालांकि ये भी हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम आखिरी दिन का खेल शुरू होने से पहले ही पारी घोषित कर ले। ऐसे में भारतीय टीम ही 5वें दिन सुबह बल्लेबाजी के लिए उतरेगी।

जसप्रीत बुमराह के विकेटों का दोहरा शतक पूरा, एक ही ओवर में हेड के साथ किया मार्श का शिकार

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट पूरे किए। 2018 में भारत के लिए पहला टेस्ट मैच खेलने वाले बुमराह ने केवल 8484 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। बुमराह ने ट्रेविस हेड को आउट कर टेस्ट क्रिकेट में अपना 200वां विकेट हासिल किया।

मेलबर्नः *भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टेस्ट में 200 विकेट हो गए हैं। बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन उन्होंने सैम कोंस्टास को आउट किया। यह उनका 199वां विकेट था। इसके बाद उन्होंने पिछले दो टेस्ट में दो शतक लगाने वाले ट्रेविस हेड का शिकार किया। नीतीश कुमार रेड्डी ने उनका कैच लिया। बुमराह ने 2018 में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। पहली पारी पारी में बुमराह ने उन्हें खाता नहीं खोलने दिया था तो इस पारी में सिर्फ एक रन ही बना सके।*

सबसे कम गेंद पर 200 विकेट लेने वाले भारतीय *जसप्रीत बुमराह टेस्ट में सबसे कम गेंद पर 200 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने अपने करियर की 8484वीं गेंद पर हेड को आउट किया। दुनिया में सबसे कम गेंद पर 200 विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के वकार यूनिस के नाम है। 1989 में डेब्यू करने वाले वकार ने 7725 गेंदों पर 200 विकेट पूरे किए थे। बुमराह दुनिया में इस लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए हैं।*

सबसे कम रन देकर 200 विकेट

जसप्रीत बुमराह ने 20 से भी कम की औसत से टेस्ट में अपने 200 विकेट पूरे किए। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। टेस्ट में अभी तक कोई भी गेंदबाज 4000 रन देने से पहले 200 विकेट नहीं ले पाया था लेकिन बुमराह ने ऐसा कर दिया है। 3912 रन देकर उन्होंने अपने 200 विकेट पूरे किए।

मार्श का तो खाता भी नहीं खुला *जसप्रीत बुमराह ने 34वें ओवर की दूसरी गेंद पर ट्रेविस हेड को आउट किया था। उसी ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने मिचेल मार्श को भी आउट कर दिया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने उनका कैच लिया। मार्श लगातार फॉर्म से जूझ रहे हैं। पिछली 10 टेस्ट पारियों में वह सिर्फ दो ही बार दहाई का आंकड़े तक पहुंच पाए हैं। 5 पारियों में उनके बल्ले से 20 रन निकले हैं और सबसे बड़ा स्कोर 9 रन है।*

हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीतीःइंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया; टूर्नामेंट में 11 में से 8.5 पॉइंट्स अर्जित किए

भारत की कोनेरू हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीत लिया है। न्यूयॉर्क में खेले गए इस टूर्नामेंट में हम्पी ने फाइनल में इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया। इससे पहले हम्पी ने साल 2019 में जॉर्जिया में हुए इस चैंपियनशिप को जीता था। भारत की नंबर 1 खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

हम्पी ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हंपी नेशनल बॉयज टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। वे ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। वे 2600 ईएलओ पॉइंट हासिल करने वाली सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनके पिता अशोक कोनेरू ने 5 साल की उम्र में उनकी प्रतिभा को पहचान लिया था। अशोक भी शतरंज खेलते थे। उन्होंने हम्पी को ट्रेनिंग दी। अशोक प्रोफेसर थे। बेटी के शतरंज के सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी और हंपी को ट्रेनिंग देने लगे। 6 और 7 साल की उम्र में हंपी ने स्टेट चैंपियनशिप जीत ली। इसके बाद अंडर-12, 14, 16 की नेशनल चैंपियन बन गईं।

चेस में इस साल भारत का रहा बेहतर प्रदर्शन चेस में इस साल भारत का प्रदर्श प्रदर्शन बेहतर रहा है। डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 12 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में 7.5-6.5 से हराया था। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

वहीं सितंबर में हंगरी के बुडापेस्ट में हुए चेस ओलिंपियाड में भारत ने ओपन और विमेंस कैटेगरी में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। ओलिंपियाड के 97 साल के इतिहास में भारत ने दोनों कैटेगरी में पहली बार ही पहला स्थान हासिल किया। 11वें राउंड की ओपन कैटेगरी में भारत ने स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 के अंतर से ही आखिरी राउंड हराया।

रूस के वोलोडर मुर्जिन ने पुरुषों का खिताब जीता रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्जिन ने मेन्स का खिताब जीता। मुरजिन FIDE वर्ल्ड रैपिड चैंपियन जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव 17 साल की उम्र में खिताब जीता था।

मुरजिन FIDE वर्ल्ड रैपिड चैंपियन जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी।चेस चैंपियन कार्लसन वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप से बाहरःड्रेस कोर्ड के उल्लंघन पर FIDE ने नोटिस जारी किया; जुर्माना भी लगा पांच बार के वर्ल्ड चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। उन पर ड्रेस कोर्ड के उल्लंघन को लेकर अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) ने नोटिस जारी किया है और करीब 17 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

सेंचुरियन टेस्ट- पाकिस्तान 237 रन पर ऑलआउटः साउथ अफ्रीका को 148 का टारगेट, 3 विकेट गिरे

सेंचुरियन *सेंचुरियन टेस्ट में पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में 237 रन पर ऑलआउट हो गया। टीम पहली पारी में 90 रन से पिछड़ रही थी, इसलिए साउथ अफ्रीका को 148 रन का टारगेट मिला। टीम ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 27 रन बना भी लिए। साउथ अफ्रीका ने अगर पहला टेस्ट जीत लिया तो टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025 के फाइनल में पहुंच जाएगी। फिर दूसरी टीम की जगह ही तय होनी बाकी रहेगी, जिसके लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में जंग है।*

बाबर ने फिफ्टी लगाई *तीसरे दिन बारिश के कारण खेल देरी से शुरू हुआ। पाकिस्तान ने 88/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया, बाबर आजम ने 16 और सऊद शकील ने 8 रन के स्कोर से पारी आगे बढ़ाई। दोनों स्कोर को 150 के करीब ले गए और बाबर ने फिफ्टी लगा दी। 50 रन के स्कोर पर ही उन्हें मार्को यानसन ने कैच आउट करा दिया।*

बाबर के जाते ही लगी विकेट की झड़ी *बाबर के विकेट के वक्त पाकिस्तान का स्कोर 153/4 था, टीम ने यहां 56 रन बनाने में अगले 4 विकेट और गंवा दिए। सऊद शकील एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने कोई भी बैटर टिक नहीं सका। मोहम्मद रिजवान 3, सलमान आगा 1 और आमेर जमाल ने 18 रन बनाए। शकील 84 रन बनाकर आउट हुए।*

नसीम शाह और मोहम्मद अब्बास खाता भी नहीं खोल सके। खुर्रम शहजाद ने 9 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 6 विकेट लिए। कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। डैन पैटरसन और कोर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट लिया।सऊद शकील ने 84 रन बनाकर पाकिस्तान को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट गंवाए 148 रन के टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 19 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए।

ये तो विराट कोहली का अपमान है... गाली-गलौज पर उतरी ऑस्ट्रेलियन मीडिया, अब तो हद पार हो गई

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच का रोमांच अपने चरम पर है। खेल के मैदान के साथ-साथ बाहर भी एक मुकाबला हो रहा है, लेकिन इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की मीडिया हद ज्यादा गिरती हुई दिख रही है। खास तौर से विराट कोहली को लेकर।

मेलबर्नः भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस मैच में दोनों टीमें अपने खेल-खेल के साथ नोकझोंक के लिए भी सुर्खियों में है। खास तौर से विराट कोहली और सैम कोंस्टास के बीच हुआ विवाद अभी भी थमने का नाम ले रहा है। मेलबर्न टेस्ट मैच के पहले दिन विराट और कोंस्टस के बीच कंधे की टक्कर हुई थी। इसे लेकर विराट कोहली पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना और 1 डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया था। मैदान पर तो यह मामला शांत हो गया, लेकिन ऑस्ट्रेलियन मीडिया में माहौल अभी भी गर्म है। खास तौर से विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलियन मीडिया हद से ज्यादा गिर गई है। सिडनी टाइम्स मैगजीन ने तो सारी हदों को पार कर विराट के लिए ऐसा शब्द का प्रयोग किया जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। सिडनी टाइम्स ने सैम कोंस्टस की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'विराट आई एम योर फादर', सिडनी टाइम्स की इस हरकत के बाद से उसकी खूब आलोचना हो रही है। सिडनी टाइम्स ने ही विराट को कहा था किंग बता दें कि ये वही सिडनी टाइम्स है जब विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे तो उन्हें किंग शब्द से संबोधित किया था। टीम इंडिया के इस दिग्गज के लिए तारीफों के पुल बांधे थे, लेकिन सैम कोंस्टस के साथ हुए विवाद के बाद अब सिडनी टाइम्स विराट को सबसे बड़ा विलेन बता रहे हैं। यह पूरी तरह से इस मैगजीन के दोहरे चरित्र को दिखाती। इससे भी बड़ी बात यह है कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के लिए इस पत्रिका ने अपनी मर्यादा का भी ख्याल नहीं रखा।

वहीं बात करें मुकाबले की तो मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 474 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में टीम इंडिया ने नीतीश रेड्डी की शतकीय पारी की मदद से 369 रन बनाए थे। वहीं खेल के चौथे दिन मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट पर 228 रन बना ली है। ऐसे में उसके पास 333 रनों की बढ़त हो गई है।

महान सुनील गावस्कर के पैरों में गिरे नीतीश कुमार रेड्डी के पिता, मेलबर्न में दिखा भावुक करने वाला नजारा

भारत-ऑस्ट्रेलिया बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान नीतीश कुमार रेड्डी के शतक पर उनके पिता ने सुनील गावस्कर के पैर छुए। गावस्कर ने नीतीश के पिता के संघर्ष को सराहा और कहा कि उनके त्याग से भारतीय क्रिकेट को हीरा मिला। नीतीश ने तीसरे दिन शानदार शतक लगाकर भारत को मुश्किल से निकाला।

मेलबर्नः भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन मेलबर्न में भावुक करने नजारा देखने को मिला। भारत के नए टेस्ट सेंचुरियन नीतीश कुमार रेड्डी के पिता मुत्यला रेड्डी ने दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर के पैर छुए। रेड्डी परिवार की गावस्कर से मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गावस्कर ने भावुक होकर नीतीश के पिता को गले लगा लिया। इस दौरान नीतीश की मां और बहन भी वहां मौजूद थीं।

सुनील गावस्कर भी हो गए भावुक

नीतीश कुमार रेड्डी की शतकीय पारी के बाद उनका परिवार सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज से मिला। इस दौरान गावस्कर ने कहा कि उन्हें नीतीश के पिता का स्ट्रगल पता है। टेस्ट में 10 हजार रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा, 'हम जानते हैं कि उन्होंने कितना त्याग किया है। बहुत संघर्ष किया है। आपकी वजह से मैं रो रहा हूं। आपकी वजह से भारत को हीरा मिला है, भारतीय क्रिकेट को हीरा मिला है।'

नीतीश ने शनिवार को मेलबर्न में चौथे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार शतक जड़कर सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने भारत को मुश्किल स्थिति से उबारा। रेड्डी परिवार मेलबर्न टेस्ट मैच देखने ऑस्ट्रेलिया आया था। नीतीश ने उन्हें निराश नहीं किया और इस दौरे की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। उनके शतक और वाशिंगटन सुंदर के साथ आठवें विकेट के लिए 127 रनों की साझेदारी ने भारत को मैच में वापस ला दिया। एक समय भारत का स्कोर 7 विकेट पर 221 रन था, लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 9 विकेट पर 358 रन बना लिए थे। *भारत ने बनाए 369 रन* ***रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारत की पारी का आखिरी विकेट जल्दी ले लिया। भारत 369 रन पर ऑल आउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया को 105 रनों की बढ़त मिली। नीतीश आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। ऑफ स्पिनर नाथन लायन ने उन्हें 114 रन पर आउट किया। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल था। इस शतक के साथ नीतीश ने अपनी डेब्यू टेस्ट सीरीज में 6 पारियों में 293 रन बना लिए हैं। यह भारतीय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा है। इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने बनाए हैं, जिनके 409 रन हैं।***

सेंचुरियन टेस्ट- पाकिस्तान 237 रन पर ऑलआउटःसाउथ अफ्रीका को 148 का टारगेट, 3 विकेट गिरे; जीते तो WTC फाइनल में पहुंच जाएंगे

सेंचुरियन सेंचुरियन टेस्ट में पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में 237 रन पर ऑलआउट हो गया। टीम पहली पारी में 90 रन से पिछड़ रही थी, इसलिए साउथ अफ्रीका को 148 रन का टारगेट मिला। टीम ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 27 रन बना भी लिए।

साउथ अफ्रीका ने अगर पहला टेस्ट जीत लिया तो टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025 के फाइनल में पहुंच जाएगी। फिर दूसरी टीम की जगह ही तय होनी बाकी रहेगी, जिसके लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में जंग है।

बाबर ने फिफ्टी लगाई तीसरे दिन बारिश के कारण खेल देरी से शुरू हुआ। पाकिस्तान ने 88/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया, बाबर आजम ने 16 और सऊद शकील ने 8 रन के स्कोर से पारी आगे बढ़ाई। दोनों स्कोर को 150 के करीब ले गए और बाबर ने फिफ्टी लगा दी। 50 रन के स्कोर पर ही उन्हें मार्को यानसन ने कैच आउट करा दिया। बाबर के विकेट के वक्त पाकिस्तान का स्कोर 153/4 था, टीम ने यहां 56 रन बनाने में अगले 4 विकेट और गंवा दिए। सऊद शकील एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने कोई भी बैटर टिक नहीं सका। मोहम्मद रिजवान 3, सलमान आगा 1 और आमेर जमाल ने 18 रन बनाए। शकील 84 रन बनाकर आउट हुए। नसीम शाह और मोहम्मद अब्बास खाता भी नहीं खोल सके। खुर्रम शहजाद ने 9 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 6 विकेट लिए। कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले।

डैन पैटरसन और कोर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट लिया। सऊद शकील ने 84 रन बनाकर पाकिस्तान को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

148 रन के टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 19 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। टोनी डी जॉर्जी 2 और ट्रिस्टन स्टब्स 1 रन बनाकर आउट हुए, रायन रिकेलटन खाता भी नहीं खोल सके। मोहम्मद अब्बास ने 2 विकेट लिए। खुर्रम शहजाद को 1 विकेट मिला। स्टंप्स तक ऐडन मार्करम और टेम्बा बावुमा नॉटआउट रहे, टीम टारगेट से 121 रन पीछे है। साउथ अफ्रीका ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 301 रन बनाए। टीम से ऐडन मार्करम ने 89 और कोर्बिन बॉश ने 81 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने 213 रन के स्कोर पर ही 8 विकेट गंवा दिए थे, यहां से बोश ने टैलेंडर्स के साथ मिलकर टीम को 90 रन की बढ़त दिला दी।

न्यूज़ीलैंड ने 8 रन से जीता पहला टी-20ःश्रीलंका के काम न आई पाथुम निसांका की फिफ्टी; जैकब डफी प्लेयर ऑफ द मैच

माउंट मैन्गानुई *न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को रोमांचक पहले टी-20 में 8 रन से हरा दिया। माउंट मैन्गानुई में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। न्यूजीलैंड ने 8 विकेट खोकर 172 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका 8 विकेट खोकर 164 रन ही बना सकी। श्रीलंका के लिए पाथुम निसांका ने 90 रन बनाए, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। 3 विकेट लेने वाले जैकब डफी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। न्यूजीलैंड से डैरिल मिचेल ने 62 और माइकल ब्रेसवेल ने 59 रन बनाए।* ***न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब*** *शनिवार को टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी होम टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 65 रन तक पहुंचते-पहुंचते 5 विकेट गंवा दिए। टिम रोबिनसन 11, रचिन रवींद्र 8, मार्क चापमन 15, ग्लेन फिलिप्स 8 और मिचेल हेय खाता खोले बगैर आउट हो गए।* ***श्रीलंका के लिए बिनुरा फर्नांडो ने 2 विकेट लिए।*** *श्रीलंका के लिए बिनुरा फर्नांडो ने 2 विकेट लिए।* ***ब्रेसवेल ने फिफ्टी लगाकर संभाला*** *5 विकेट जल्दी गिरने के बाद डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने टीम को संभाला। दोनों ने 105 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 170 रन तक पहुंचा दिया। मिचेल 62 और ब्रेसवेल 59 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में कप्तान मिचेल सैंटनर और जैकरी फोल्क्स 1-1 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड ने 172 रन का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका से बिनुरा फर्नांडो, महीश तीक्षणा और वनिंदु हसरंगा ने 2-2 विकेट लिए। एक विकेट मथीश पथिराना को मिला।* ***श्रीलंका की मजबूत शुरुआत*** *173 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम को मजबूत शुरुआत मिली। पाथुम निसांका और कुसल मेंडिस ने 121 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। मेंडिस 46 रन बनाकर आउट हुए। पाथुम निसांका फिफ्टी लगा चुके थे, लेकिन पहले विकेट के बाद टीम का बिखरना शुरू हो गया।*

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 खलकुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फा नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670